MUMBAI TARANG ™

www.mumbaitarang.com

RNI No. MAHHIN/2020/78591
Postal Reg. No. MNW/354/2020-2022

बोले गऐ शब्द ही ऐसी चीज है
जिसकी वजह से इंसान,
या तो दिल में उतर जाता है
या दिल से उतर जाता है !!

मुंबई तरंग

जय श्री राम
Yogi 8156045100
Bimal Patel 8401886537
YOGI Property
Row House, Flats, Shop, Plot, Bunglows
PURCHASE, SALE & RENT
B-Mark Point, Dindoli Bus Stop, Near SBI Bank, Dindoli, Surat

संपादक : दिलीप नानजीभाई पटेल   उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा ❖ वर्ष-02 ❖ अंक-12 ❖ मुंबई ❖ रविवार 14 से 20 मार्च 2021 ❖ पृष्ठ-8 ₹4/-

पेज 3

पालघर की आश्रमशाला में कोरोना विस्फोट, 48 छात्रों के बाद 19 कर्मचारी भी पॉजिटिव

पेज 5

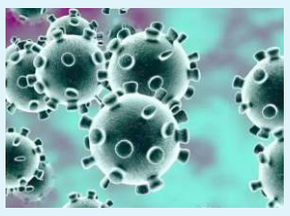

कोरोना से ऐसे मिलेगी मुक्ति! रेलवे स्टेशन पर जांच नहीं, मुंबई से रोज बिहार आ रहे हजारों लोग

पेज 7

हिंदी फ़िल्म "पॉलिटिकल वुल्फ" का शानदार म्यूज़िकल मुहूर्त

पेज 8

पूज्य मोरारी बापू की निश्रा में कागोत्सव का आयोजन

बंगाल और असम चुनाव में उलझी हुई है विपक्ष की रणनीति, बिखरे हुए हैं भाजपा को घेरने वाले दल

पश्चिम बंगाल और असम के चुनाव में भाजपा को टक्कर देने के लिए विपक्ष की रणनीति काफी उलझी हुई है। केंद्र में बतौर विपक्ष लामबंद होने वाले दलों के निशाने पर दोनों राज्यों में भाजपा है। लेकिन स्थानीय सियासत के मकड़जाल और मजबूरी के चलते दोनों राज्य में विपक्ष की अलग रणनीति है। जिस राज्य में जो दल भाजपा को टक्कर देता नजर आ रहा है वही क्षेत्रीय स्तर पर सक्रिय विरोधी दलों की पसंद और सहानुभूति हासिल कर रहा है। राजनीतिक हालात, मुद्दों और चेहरों की जंग में बंगाल में तृणमूल विपक्षी दलों की पहली पसंद है। वहीं, असम में कांग्रेस इस लिहाज से थोड़ा सुकून में है। बंगाल में तृणमूल कांग्रेस सत्ता में है, यहां भाजपा की मुख्य लड़ाई भी तृणमूल से है। केंद्र में कांग्रेस के साथ मिलकर भाजपा को घेरने वाले दल यहां बिखरे हुए हैं। एक ओर कांग्रेस और लेफ्ट का साथ है तो दूसरी ओर ममता को अपने-अपने राज्यों में असरदार क्षेत्रीय नेताओं का साथ बंगाल में मिल रहा है। इन दलों की लगातार कोशिश रही है कि ममता के खिलाफ प्रचार को कांग्रेस ज्यादा धार न दे। पहले सबको एक साथ लाने की कोशिश भी पर्दे के पीछे हुई। ममता दीदी के प्रमुख रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने भी प्रयास किया कि ममता और भाजपा के बीच मुकाबला त्रिकोणीय न बने। लेकिन कोशिश कामयाब नहीं हुई। फिलहाल ताजा समीकरणों में लड़ाई ममता बनाम भाजपा की ही नजर आ रही है। लेकिन कई जगहों पर कांग्रेस-लेफ्ट और आइएसएफ ममता का सियासी खेल गड़बड़ न करें ये चिंता ममता से सहानुभूति रखने वाले सियासी दलों के कुनबे में बनी हुई है। खासतौर पर मुस्लिम मतों को लेकर तृणमूल की चिंता साफ नजर आ रही है।

उधर, असम में भाजपा सत्ताधारी दल है। यहां कांग्रेस ही प्रमुख विपक्ष है। कांग्रेस की अगुवाई में बना गठजोड़ जिसमे एआईयूडीएफ शामिल है अन्य विपक्षी दलो की सहानुभूति हासिल करने में कामयाब रहा है। कांग्रेस ने बंगाल और असम दोनो जगहों पर मुस्लिम मतदाताओं में पैठ रखने वाले दल से गठबंधन किया है। लेकिन विपक्ष की अगुवा बनने में उसे बहुत मशक्कत करनी पड़ी है। फिलहाल विरोधी दलों की रणनीति का कितना नफा नुकसान होगा ये वक्त बताएगा। लेकिन, भाजपा विरोधी ज्यादातर दल बंगाल में ममता की जीत का स्वप्न संजोए हुए हैं। उनका मानना है कि बंगाल में ममता और असम में कांग्रेस जीती तो विपक्ष की राजनीति को दमखम मिलेगा।

मराठा आरक्षण की लड़ाई नियमानुसार लड़ेंगे और जीतेंगे -मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे

मुंबई, मराठा आरक्षण को लेकर वरिष्ठ अधिवक्ता मजबूती के साथ सरकार का पक्ष रख रहे हैं। आरक्षण का यह मुकदमा अलग मोड़ पर आ गया है। यह कानूनी लड़ाई अब अंतिम चरण में है। यह लड़ाई शांतिपूर्वक एकजुट होकर लड़ेंगे और जीतेंगे, ऐसा विश्वास मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने कल व्यक्त किया। सुप्रीम कोर्ट में मराठा आरक्षण को लेकर सुनवाई के संदर्भ में कल मराठा समाज के विविध संगठनों के समन्वयकों और वकीलों से मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग के जरिए संवाद स्थापित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि निजी याचिकाकर्ताओं को भी आरक्षण के समर्थन में पक्ष रखने का अवसर मिला है। जिन निजी याचिकाकर्ताओं को अपना पक्ष रखना है, वे सरकार के साथ टीमवर्क पद्धति से सभी मुद्दे रखें और समर्थन के लिए आवश्यक सबूत पेश करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि मराठा आरक्षण की अन्य मांगों को लेकर जल्द बैठक बुलाई जाएगी। सभी समस्याओं का समाधान निकाला जाएगा।

राहुल गांधी का मोदी सरकार पर निशाना, बोले- भारत अब लोकतांत्रिक देश नहीं रहा, एक रिपोर्ट का दिया हवाला

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने मोदी सरकार पर निशाना साधा है। राहुल गांधी ने गुरुवार को स्वीडन स्थित इंस्टीट्यूट की एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि भारत अब लोकतांत्रिक देश नहीं रह गया है। राहुल ने अपने ट्वीट के साथ इस रिपोर्ट से जुड़ी एक फोटो भी शेयर की है। जिस पर लिखा हुआ है कि पाकिस्तान की तरह अब भारत भी ऑटोक्रेटिक है। भारत की स्थिति बांग्लादेश से भी खराब है। वी-डेमोक्रेसी की सालाना रिपोर्ट में भारत 2013 में सबसे ज्यादा 0.57 (शून्य से एक के बीच स्केल) स्कोर हासिल किया था जबकि 2020 के लिए यह स्कोर महज 0.34 है। रिपोर्ट में कहा गया है कि मोदी की अगुआई वाली सरकार अपने आलोचकों को चुप कराने के लिए राजद्रोह, मानहानि और काउंटर टेररिज्म के कानूनों का इस्तेमाल कर रही है। मोदी सरकार के सत्ता में आने के बाद से अब तक 7 हजार से ज्यादा लोगों के खिलाफ राजद्रोह का केस दर्ज किया गया है। इनमें ज्यादातर वे हैं जो सत्ताधारी पार्टी के आलोचक हैं। इससे पहले अमेरिकी संस्था 'फ्रीडम हाउस' की भी एक रिपोर्ट सामने आई थी। फ्रीडम हाउस ने 'डेमोक्रेसी अंडर सीज' नाम से जारी अपनी रिपोर्ट में भारत को 'आंशिक रूप से स्वतंत्र' श्रेणी में रखा था। भारत सरकार ने उस पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए रिपोर्ट को 'भ्रामक, गलत और अनुचित' करार देते हुए खारिज किया था।

बीते दिनों भी राहुल गांधी ने तमिलनाडु में एक रैली के दौरान देश में लोकतंत्र को लेकर मोदी सरकार को घेरा था। राहुल गांधी ने कहा था संस्थाओं के बीच संतुलन बिगड़ता है तो देश में असंतुलन पैदा होता है। पिछले 6 सालों से सभी संस्थाओं पर व्यवस्थित तरीके से हमला किया जा रहा है। भारत में लोकतंत्र को मारा जा रहा है। राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ हमारे देश की संस्थाओं संतुलन को बिगाड़ और बर्बाद कर रहा है।

कंगना पर एक और एफआईआर! बिना अनुमति किताब पर फिल्म बनाने का मामला

मुंबई, बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत अपने बेतुके बयान के लिए जानी जाती है और यही वजह है कि उन पर कई जगह मामले भी दर्ज किए गए हैं। सेशन कोर्ट के आदेश पर कंगना रनौत के खिलाफ ताजा मामला खार पुलिस स्टेशन में दर्ज किया गया है। यह मामला 'दिद्दा द वॉरियर क्वीन ऑफ कश्मीर' नामक किताब से संबंधित है। आरोप है कि कंगना ने लेखक की अनुमति लिए बिना इस किताब पर फिल्म बनाने की घोषणा की है। खार पुलिस के मुताबिक दिद्दा द वॉरियर क्वीन ऑफ कश्मीर' के लेखक आशीष कौल ने सेशन कोर्ट का दरवाजा खटखटाया क्योंकि कंगना ने बिना उनकी इजाजत लिए किताब पर फिल्म बनाने की घोषणा कर दी। इस मामले में कंगना रनौत, कमलकुमार जैन, कंगना की बहन रंगोली चंदेल और अक्षत राणावत के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। आशीष का आरोप है कि उन्होंने अपनी किताब की कहानी कंगना रनौत को ईमेल के जरिए भेजी थी। कंगना ने कहानी का कुछ भाग उठाकर ट्वीट कर दिया और मुझसे अनुमति लिए बिना ही उस पर फिल्म बनाने की घोषणा भी कर दी।

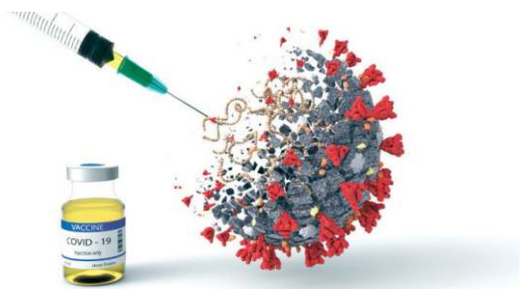

पहले देश की भलाई, फिर औरों को दवाई!... टीका निर्यात पर दिल्ली हाई कोर्ट ने केंद्र को हड़काया

नई दिल्ली, दिल्ली हाईकोर्ट ने एक याचिका की सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि सरकार को सबसे पहले देश के नागरिकों को कोविड-१९ का टीका लगाना चाहिए। उसके बाद ही विदेश में 'निर्यात' करना उचित होगा। कोर्ट ने टिप्पणी करते हुए कहा कि टीके पर पहले देश की जनता का हक है बाद में दूसरे देश के लोगों का अर्थात पहले देश की भलाई फिर औरों को दवाई। कोविड टीकों पर सरकार को दिल्ली हाईकोर्ट के जजों विपिन सांघी और रेखा पल्ली की खंडपीठ ने अदालत के जजों, कर्मचारियों सहित न्यायपालिका के सभी सदस्यों के टीकाकरण की मांग को लेकर वकीलों की याचिका पर अगली सुनवाई की। कोरोना वायरस टीकाकरण मामले की सुनवाई अब १९ मार्च को होगी। सरकार को 'को-प्रडली देशों' तक कोविड-१९ टीके निर्यात करने थे, इस पर दिल्ली उच्च न्यायालय ने बुधवार को केंद्र से कहा कि उसे पहले देश के भीतर सद्भावना अर्जित करने की जरूरत है और फिर बाहर कमाने की।

मित्र देश नहीं हैं

भारत के सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अदालत के समक्ष तर्क दिया कि सरकार ने उम्र, भेदता और बीमारी के आधार पर टीकाकरण अभियान के लिए प्राथमिकता तय की है, पीठ ने कहा 'श्री मेहता, आज के समाचार पत्र बताते हैं कि आप निर्यात कर रहे हैं वह भी उन्हें जो हमारे मित्र देश नहीं हैं। यह भी कहा कि न्यायपालिका राज्य की एक महत्वपूर्ण शाखा है और महामारी के दौरान मामलों की प्रगति में भारी वृद्धि हुई है।

सभी लोगों की बारी आएगी

हालांकि, कोर्ट ने भारत में निर्मित होने वाले टीकों के निर्यात के खिलाफ किसी भी आदेश को पारित करने से इनकार कर दिया। मेहता ने कहा कि कार्यपालिका और विधायिका के लोग भी टीकाकरण के हकदार नहीं हैं जब तक उनकी आयु ६० वर्ष से अधिक नहीं है या ४५-६० वर्ष के बीच के हैं। उन्होंने कहा, 'आखिरकार उन सभी लोगों की बारी आएगी जो ४५ वर्ष से कम उम्र के हैं।'

सावधान! आप पर भी है नजर मास्क न पहननेवालों पर प्रशासन सख्त

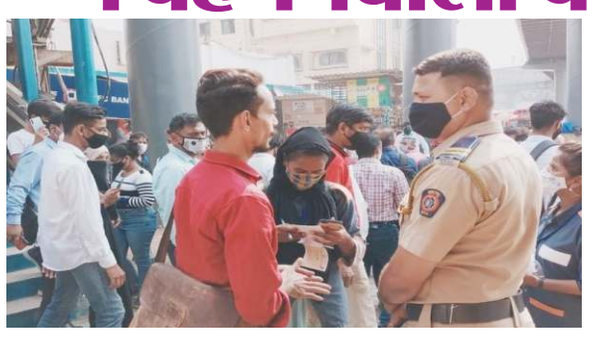

मुंबई, कोरोना के बढ़ते संक्रमण को देखते हुए मुंबई में अब कोरोना नियमों की अनदेखी पर लापरवाहों की खैर नहीं होगी। प्रशासन ने साफ चेताया है कि इधर-उधर बिना मास्क भटकनेवाले और नाक के नीचे मास्क लगानेवाले सावधान हो जाएं, उन पर अब मनपा ही नहीं, पुलिस और रेलवे विभाग की भी नजर है। इन तीनों की निगरानी में कुछ हद तक बिना मास्कवाले लापरवाह चकमा तो दे सकते हैं लेकिन बच नहीं सकते। मनपा के मार्शल जगह-जगह तैनात हैं तो पुलिस पेट्रोलिंग कर राह चलते हुए लोगों पर नजर बनाए हुए है। इतना ही नहीं, जरूरत के मुताबिक जगह-जगह नाकाबंदी लगाकर बिना मास्क लगाए वाहनों में घूम रहे लोगों को तलाश रही है। उधर रेलवे स्टेशनों पर भी भीड़-भाड़ में बिना मास्क घूमने वालों को खोजकर दंडित किया जा रहा है। कई जगह तो सादे कपड़ों में अधिकारी घूमकर बिना मास्कवालों को दंडित कर रहे हैं। ऐसे में कोरोना नियमों में लापरवाही बरतनेवाले इस तिकड़ी की निगाहों से नहीं बच पाएंगे। ऐसे लोगों पर जमकर कार्रवाई हो रही है। पिछले ०३५४ दिन में मनपा, पुलिस और रेलवे विभाग ने मिलकर कुल २०,१२,४१० लोगों पर कार्रवाई की है और ४०,६१,१२, २०० रुपए दंड वसूले हैं। इस कार्रवाई में मनपा ने ३७,८६,२३,००० रुपए, पुलिस ने २,५५,५१,६०० तो रेलवे ने ९,३७,६०० रुपए दंड वसूला है।

बता दें मुंबई में कोरोना नियंत्रण के लिए मनपा ने एक बार फिर पूरी ताकत झोंक दी है। मनपा आयुक्त इकबाल सिंह चहल रोजाना अधिकारियों की बैठक ले रहे हैं। हर पल की रिपोर्ट मंगवाई जा रही है। जहां कोरोना के केस अधिक मिल रहे हैं, उन इलाकों में बाकायदा इमारतों को सीलबंद कर, वैंâप लगाकर कोरोना टेस्टिंग हो रही है। ऐसे में कोरोना प्रसार को बढ़ावा देनेवाले लापरवाहों से मनपा सख्ती से निपट रही है।

लहर खोलेगी हिरेन की मौत का राज

देश के प्रसिद्ध बिजनेसमैन मुकेश अंबानी के घर के बाहर मिली संदिग्ध स्कॉर्पियो कार और उस कार के मालिक मनसुख हिरेन की हत्या के पीछे की वजह कई सवाल खड़ा करती नजर आ रही है। मुंबई एटीएस हिरेन की हत्या की गुत्थी सुलझाने के लिए मौसम विभाग की मदद से यह जानने में लगी हुई है कि हत्या के बाद जब हिरेन के शव को खाड़ी में कहां से फेंका गया था और उस वक्त का खाड़ी में लहर का बहाव कौन सी दिशा में था। इतना ही नहीं मुंबई एटीएस एक डमी शव को भी पानी में फेंककर हत्या के सीन को रिक्रिएट कर हिरेन की हत्या को सुलझाने का प्रयास कर रही है। बता दें कि २५ फरवरी के दिन प्रसिद्ध बिजनमैन मुकेश अंबानी के घर के बाहर एक संदिग्ध स्कॉर्पियो कार खड़ी थी, जिसमें एक धमकीभरा पत्र और जिलेटिन की छड़ मौजूद थी। उक्त मामले की जांच चल ही रही थी कि ५ मार्च के दिन उसी स्कॉर्पियो कार के मालिक मनसुख हिरेन की हत्या कर उनके शव को मुंब्रा खाड़ी में फेंकने का मामला सामने आ गया, तब से ही इस मामले में कई राज दिन-ब-दिन खुलते नजर आ रहे हैं। फिलहाल एक ओर मुंबई एटीएस मनसुख हिरेन की हत्या की गुत्थी सुलझाने में लगी हुई है तो वहीं दूसरी ओर एनआईए मुकेश अंबानी के घर के बाहर मिले धमकीभरे पत्र और जिलेटिन की छड़ों की गुत्थी सुलझाने में लगी हुई है। लगातार हिरेन के परिवार से पूछताछ शुरू हैं। मुंबई एटीएस १२ मार्च के दिन मुंब्रा खाड़ी पर मौसम विभाग के साथ पहुंचकर सीन रिक्रिएट कर मामले को सुलझाने की कोशिश करती नजर आई।

मुंबई एटीएस सूत्रों के अनुसार हत्या के बाद जब मनसुख हिरेन को पानी में फेंका गया, तब खाड़ी में पानी का बहाव कौन सी दिशा में था, जिस वजह से मनसुख हिरेन का शव जहां मिला था वहां पहुंच गया, वहीं मौके पर मौजूद मौसम विभाग के अधिकारियों की माने तो लहर के बहाव का अंदाजा लगाकर उक्त जगह का पता लगाया जा सकता है जहां से मनसुख हिरेन को खाड़ी में फेंका गया था। उक्त जगह का पता चलते ही आस-पास के सभी सीसीटीवी फुटेज की जांच कर अज्ञात आरोपी को पकड़ने का प्रयास भी किया जा रहा है।

चुनाव में चोटिल होना

बुधवार को नंदीग्राम में नामांकन दाखिल करने के बाद जिस तरह के घटनाक्रम में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी घायल हुईं और फिर जिस तरह का माहौल बना, वह पूरा प्रकरण चिंताजनक है। शुरुआती रिपोर्टों के मुताबिक उनके पांव, कंधे और गर्दन में चोटें आई हैं। अगले दिन हॉस्पिटल बेड पर उनकी तस्वीरें भी आईं जिनमें उनके बाएं पैर में प्लास्टर दिख रहा है। इस पूरे मामले की निष्पक्षता से जांच होनी चाहिए ताकि स्पष्ट हो सके कि क्या हुआ और कैसे हुआ। इसके साथ ही ममता बनर्जी के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना प. बंगाल के चुनाव से किसी भी रूप में जुड़े हर राजनेता को बिना किसी हीलाहवाली के करनी चाहिए। जो बात इस प्रकरण में सबसे ज्यादा परेशान करने वाली है, वह यह कि चुनावी लड़ाई को युद्ध की तरह लड़ने के आदी होते जा रहे हमारे राजनीतिक दलों में पारस्परिक शिष्टाचार के न्यूनतम विवेक की भी किल्लत होती जा रही है। ममता के घायल होने की खबर आते ही उनकी हालत को लेकर जानकारी हासिल करने और उनकी सुरक्षा को लेकर चिंता जताने के बजाय चुनाव में उन्हें सबसे ज्यादा आक्रामक होकर चुनौती दे रही पार्टी के छोटे-बड़े तमाम नेताओं ने यह संदेह जताना शुरू कर दिया कि ममता ने हमले की फर्जी कहानी रची है। बीजेपी के शीर्ष नेताओं की बात ही छोड़िए, केंद्रीय मंत्रियों में से भी किसी ने घटना की निंदा करते हुए या ममता के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हुए कोई ट्वीट नहीं किया। कांग्रेस के असंतुष्ट खेमे के एक नेता आनंद शर्मा ने जरूर यह औपचारिकता निभाई, लेकिन पश्चिम बंगाल चुनावों में पार्टी की अगुआई कर रहे अधीर रंजन चौधरी ने साफ-साफ कहा कि ममता ने लोगों की सहानुभूति पाने के लिए यह पाखंड रचा है। दिलचस्प बात यह कि खुद ममता बनर्जी का व्यवहार भी इस मामले में कुछ खास अच्छा नहीं रहा है। कुछ दिनों पहले पश्चिम बंगाल के ही दक्षिण 24 परगना जिले में बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा के काफिले पर पथराव की खबर आई थी तो ममता बनर्जी ने उसकी सत्यता पर इसी तरह सवाल उठाते हुए संदेह जताया था कि हमले की फर्जी शिकायत की जा रही है। भारतीय लोकतंत्र के लिए यह सर्वथा नई परिस्थिति है। चुनावी लड़ाइयां तो हमेशा से होती रही हैं। इन लड़ाइयों में दांव पर सत्ता भी हमेशा लगी होती है। बावजूद इसके, अगर पिछले सात दशकों में विचारों, नीतियों और मुद्दों को नेताओं की निजी सुरक्षा और स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं से

अलग रखना संभव बना रहा तो कोई कारण नहीं कि अब ऐसा न हो सके। अगर आज ऐसा होता नहीं दिख रहा तो इसके कारण निश्चित रूप से आज की हमारी राजनीतिक संकीर्णता, ओछेपन और हद दर्जे की स्वार्थप्रियता में ही निहित होंगे। लेकिन कारण ढूंढ लेना समस्या के समाधान के लिए कभी काफी नहीं होता। समझना जरूरी है कि चुनावी हार-जीत को आत्मिक मूल्यों से ऊपर रखने की इस प्रवृत्ति पर अगर जल्दी काबू नहीं पाया गया तो आम लोगों में दलीय तनाव बहुत बढ़ जाएगा और देश की लोकतांत्रिक संस्थाएं खतरे में पड़ जाएंगी।

उत्तराखंड: एक और मुख्यमंत्री

किरीट ए. चावड़ा

आखिर विधानसभा चुनावों से एक साल पहले उत्तराखंड के मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत से इस्तीफा ले लिया गया। उनकी जगह तीरथ सिंह रावत प्रदेश के मुख्यमंत्री बनाए गए हैं। यह नेतृत्व परिवर्तन प्रदेश सरकार को बाहर से मिलने वाली किसी चुनौती का परिणाम नहीं है, न ही सरकार के बहुमत को लेकर किसी तरह का संदेह था। यह पूरी तरह से सत्तारूढ़ पार्टी बीजेपी का अपना फैसला है और इसे उसकी आंतरिक उठापटक का नतीजा माना जा सकता है। 2000 में एक अलग राज्य के रूप में अस्तित्व ग्रहण करने के बाद से ही उत्तराखंड राजनीतिक अस्थिरता से ग्रस्त रहा है। कांग्रेस के नारायण दत्त तिवारी को छोड़ दिया जाए तो आज तक कोई भी मुख्यमंत्री वहां अपना कार्यकाल पूरा नहीं कर पाया।

जाहिर है, इसकी एक व्याख्या यह भी हो सकती है कि इस पर्वतीय राज्य में मुख्यमंत्री के दावेदारों की संख्या ही नहीं, उनका प्रभाव भी अन्य राज्यों के मुकाबले ज्यादा है। जब भी मुख्यमंत्री पद पर कोई एक काबिज होता है, बाकी तमाम दावेदार उसे पद से हटाने की जुगत में लग जाते हैं। और जैसा कि इस राज्य का ट्रैक रेकॉर्ड बता रहा है, प्रायः वे सफल भी हो जाते हैं। हालांकि विभिन्न राजनीतिक

गुटों की इस अति सक्रियता का कोई खास फायदा राज्य की विकास प्रक्रिया पर नहीं दिखता। न ही उन मुद्दों को आगे बढ़ाने में इसकी कोई भूमिका नजर आती है जो राज्य गठन की मांग के मूल में रहे हैं। उत्तराखंड को अलग राज्य बनाने की मांग सबसे ज्यादा इसलिए की जाती थी कि यह एक पर्वतीय क्षेत्र है, मैदानी उत्तर प्रदेश से अलग स्वरूप वाला विकास इसकी बुनियादी जरूरत है। लखनऊ में बनने वाली योजनाएं इसकी अलग जरूरतों का ध्यान नहीं रख पातीं, धुर पहाड़ी इलाकों में भी हैंडपंप भिजवा दिए जाते हैं जबकि वहां जरूरत प्राकृतिक जलस्रोतों के संरक्षण की है।

अपेक्षा थी कि उत्तराखंड के अलग राज्य बनने पर विकास का ऐसा स्वरूप विकसित हो सकेगा जो इसकी भौगोलिक, सामाजिक और सांस्कृतिक विशिष्टताओं के अनुरूप होगा। मगर यह अपेक्षा पूरी होना तो दूर की बात है, पिछले दो दशकों में इस तरफ बढ़ने की कोई उल्लेखनीय कोशिश भी नहीं देखी जा सकी। गैरसैण को राजधानी बनाने की मांग के पीछे यह बात थी कि यह जगह किसी भी उत्तराखंडी के लिए बहुत ज्यादा दूर नहीं पड़ेगी और ठेठ पहाड़ी इलाकों में रहने वालों को हर छोटे-बड़े काम के लिए देहरादून के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। मगर 20 साल बाद भी यह सपना ही बना हुआ है। जो फैसला त्रिवेंद्र रावत को सबसे भारी पड़ा, वह भी गैरसैण को डिवीजन बनाने का ही है। इसे उत्तराखंड वालों का दुर्भाग्य ही कहना होगा कि सत्तापक्ष या विपक्ष का कोई भी प्रभावशाली हिस्सा ऐसा नहीं है जो राज्य गठन के मूल उद्देश्यों से खुद को जोड़ने की जरूरत महसूस करता हो। सबकी रुचि मुख्यमंत्री पद पर अपना बंदा बैठाने या वहां बैठे व्यक्ति को हटाने तक सीमित है।

मुसीबत में साथ देने वाली दोस्ती का दम

जिगर डी वाढेर

11 मार्च 2021 को ग्रेट ईस्ट जापान भूकंप की 10वीं वर्षगांठ मनाई गई, जिसमें लगभग 20,000 लोगों की जान चली गई थी। इस गंभीर अवसर पर मैं दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना करता हूं और उन लोगों के लिए अपनी हार्दिक सहानुभूति व्यक्त करता हूं जिन्होंने इस आपदा में अपने प्रियजनों को खो दिया था। दस साल पहले जब जापान के उत्तर-पूर्वी हिस्से में भूकंप आया था, तब भारत के लोगों ने अपने घर से हजारों किलोमीटर दूर रहने वाले लोगों के लिए प्रार्थना की थी। भारत के द्वारा बहुत आवश्यक राहत सामग्री भी प्रदान की गई थी। भारत से भेजे गए हजारों कंबलों ने उन लोगों को गर्मी प्रदान की, जिन्होंने भूकंप और सूनामी में अपने घर खो दिए थे। बिस्कुट और पानी की बोतलों से लोगों को अपनी भूख-प्यास पर काबू पाने में मदद मिली। मैं जापानी सरकार और जापान के लोगों की ओर से इन महानुभावों के प्रति हार्दिक आभार प्रकट करना चाहूंगा। जापानी शहर ओनागावा के समुद्री तट पर एक प्रेमी युगल (फोटोः एपी) N D R F का योगदान नैशनल डिजैस्टर रिस्पॉन्स फोर्स (एनडीआरएफ) के साहसी बचाव मिशन को कभी भुलाया नहीं जा सकता है। अपनी पहली विदेशी तैनाती में एनडीआरएफ के 46 सदस्य ओनागावा शहर में खोज और बचाव में लगे रहे जहां 85 प्रतिशत इमारतें 14.8 मीटर ऊंची सूनामी में बह गईं और 800 से अधिक लोगों ने अपनी जान गंवा दी। मैं एनडीआरएफ कर्मियों को उनकी कर्तव्यनिष्ठा के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं, जिन्होंने ओनागावा के लोगों पर मर्मस्पर्शी छाप छोड़ी है। पिछले दस वर्षों में तोहोकू क्षेत्र के पुनर्निर्माण के प्रयास लगातार आगे बढ़ रहे हैं। ओनागावा का तो जैसे इस बीच पुनर्जन्म ही हो गया है। यदि आप एक पहाड़ी की चोटी पर चढ़ते हैं तो सीपाल-पियर ओनागावा पर शांत नीले समुद्र को उसके मनोरम रूप में देख सकते हैं। यह 2015 में प्रतीकात्मक रूप से खोला गया एक वाणिज्यिक केंद्र है। यह बात खास तौर पर उल्लेखनीय है कि यहां ज्वार-भाटा रोकने वाली ऊंची दृश्यमान अवरोधक दीवारें नहीं हैं। तबाही के अनुभव के बावजूद स्थानीय निवासियों का विचार समुद्र से किसी तरह की दूरी बनाने का नहीं है। समुद्र के साथ अपना तालमेल जारी रखने को लेकर वे उसी तरह दृढ़ संकल्प हैं, जैसा उनके पुरखे पीढ़ी-दर-पीढ़ी करते आ रहे हैं। इसके पीछे सिर्फ अतीत की यादों को सहेज कर रखने की भावना नहीं है। ओनागावा के इंजीनियरों ने सूनामी रन-अप बिंदुओं की सही पहचान करने के लिए मार्च 2011 की शुरुआत तक टाउन एरिया का सर्वेक्षण किया था। इससे बुनियादी ढांचे की जरूरतों को लेकर एक उद्देश्यपरक निर्णय को आधार मिला। आपदा के एक महीने बाद ही 'ओनागावा की पुनर्निर्माण परिषद' गठित हो चुकी थी, जिसने सभी स्थानीय समूहों की भागीदारी के साथ पुनर्निर्माण की अवधारणा को लेकर काम करना शुरू कर दिया। इसने नागरिकों और टाउन हॉल के बीच साझेदारी बढ़ाने पर खास ध्यान दिया। इस प्रक्रिया में ओनागावा ने तय किया कि शहर की अर्थव्यवस्था की बुनियाद मत्स्य पालन ही रहे और पुनर्निर्माण की प्रक्रिया आर्थिक सुधार पर केंद्रित हो। पुनर्निर्माण परिषद के संकल्प और लगन की बदौलत वैज्ञानिक सबूतों तथा सामाजिक, आर्थिक दृष्टिकोण के आधार पर पुनर्निर्माण की अवधारणा को शीघ्र ही अंतिम रूप दे दिया गया। इससे बुनियादी ढांचे के पुनर्निर्माण के लिए आवश्यक समय काफी कम हो गया और समुदायों के भंग होने की नौबत नहीं आई। ज्वार-भाटा रोकने वाली ऊंची दीवारों की आवश्यकता को खत्म करते हुए ओनागावा ने समुद्र के साथ रहने वाले शहर का अपना आकर्षण बरकरार रखा है। कुल मिलाकर देखा जाए तो वह ओनागावा शहर, जो करीब-करीब ध्वस्त हो गया था और जिसे एनडीआरएफ की मदद उस समय मिली थी जब इसकी सबसे ज्यादा जरूरत थी, अभी पुनर्जीवित हो गया है। ओनागावा के पुनर्निर्माण ने हमें दिखाया है कि 'बिल्ड बैक बेटर' का मतलब क्या है। इस नगर के पुनरुद्धार ने यह भी प्रदर्शित किया कि समावेशी लचीलापन से क्या कुछ हासिल नहीं किया जा सकता।

10 साल पहले भारत की सहानुभूति और सहायता प्राप्त करने के बाद अब जापान भारत में आपदा प्रबंधन क्षमता को मजबूत करने और लचीले बुनियादी ढांचे का निर्माण करने में योगदान दे रहा है। वह भारत के साथ अपने विशेषज्ञ ज्ञान को साझा करने का इच्छुक है। 2017 में जापान और भारत ने आपदा जोखिम न्यूनीकरण में सहयोग को लेकर एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए, जिसके अंतर्गत द्विपक्षीय कार्यशालाएं हुई हैं और अनुसंधान संस्थानों तथा निजी क्षेत्रों के बीच सहयोग को बढ़ावा दिया गया है। जयिका (जापान इंटरनैशनल कोऑपरेशन एजेंसी) का तकनीकी सहयोग भी चल रहा है। उत्तराखंड में वनों के पुनर्जीवन और आपदा रोकथाम उपायों से जुड़ी प्रौद्योगिकी के हस्तांतरण तथा पहाड़ी क्षेत्रों में सड़क निर्माण क्षमता विकसित करने पर काम हो रहा है। क्वॉलिटी इन्फ्रास्ट्रक्चर' की अवधारणा के तहत हमारी वित्तीय सहायता के माध्यम से 'बिल्डिंग रिसिलिएंट इन्फ्रास्ट्रक्चर' को भी मजबूती दी जा रही है। दिल्ली मेट्रो जापान भारत सहयोग का एक और चमकदार उदाहरण है। मुंबई-अहमदाबाद हाईस्पीड रेल परियोजना इस सहयोग की चमक को अब और बढ़ाने का काम कर रही है। तालमेल से आगे बढ़ें जापान 'आपदा प्रतिरोधी बुनियादी ढांचे के लिए गठबंधन' (सीडीआरआई) के माध्यम से लचीलापन बनाने में योगदान करने को तैयार है, जिसे प्रधानमंत्री मोदी ने एक संस्थापक सदस्य के रूप में शुरू किया है। इस अंतरराष्ट्रीय मंच पर जापान और भारत का सहयोग मुक्त, खुले और समावेशी हिंद-प्रशांत क्षेत्र के लिए हमारी साझा दृष्टि के अनुकूल होगा। मैं बता नहीं सकता कि अपने राष्ट्रीय संकट के समय में भारत के लोगों से मिले समर्थन के लिए हम कितने ऋणी हैं। आपदा जोखिम में कमी लाने और एक लचीले समाज के निर्माण की भारत की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए हम उसके साथ मिल कर काम करने को प्रतिबद्ध हैं। कहने की जरूरत नहीं कि भारत 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की ओर तेजी से बढ़ रहा है।

आपदा के महीने भर बाद भी लोग खौफजदा

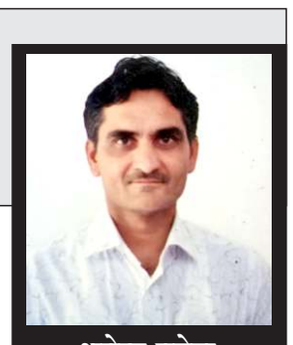

भूपेन्द्र पटेल

सात फरवरी को उत्तराखंड में जो आपदा आई, उसे अब महीने भर से ज्यादा समय हो चुका है, लेकिन एनटीपीसी की तपोवन विष्णुगाड़ परियोजना और ऋषिगंगा किनारे के ऋषिगंगा पावर प्रॉजेक्ट में इकट्ठा हो चुका मलबा अब तक साफ नहीं हुआ है। जोशीमठ में पिछले सोमवार से मौसम खराब था। रात को हल्की-फुल्की बारिश हुई। सुबह पहाड़ियों पर बर्फ गिरी दिखी। ऐसे में बार-बार रैणि गांव के बुजुर्गों, महिलाओं और युवाओं की तस्वीर आंखों के सामने आती, जो कुछ दिन पहले बता रहे थे कि जिस दिन से आपदा आई है, हमारी रातों की नींद गायब है। जरा भी मौसम खराब होता है तो डर लगता है कि फिर वैसा हुआ तो गांव नहीं बचेगा।

रौंठी पीक की दरार

रैणि ऋषिगंगा के दो छोर पर बसा हुआ गांव है- आधा इस तरफ, आधा उस तरफ। चिपको आंदोलन ने जहां इस गांव को प्रसिद्धि दी, वहीं चिपको की प्रेरणा से सरकार ने नया वन कानून लागू कर दिया। अब यह क्षेत्र नंदा देवी बायोस्फेयर रिजर्व में आता है। 7 फरवरी को यहीं रौंठी पीक से निकलने वाली ऋषिगंगा की सहायक धारा रौंठी गाड़ से यह आपदा शुरू हुई। इंटरनैशनल सेंटर फॉर इंटीग्रेटेड माउंटेन डिवेलपमेंट का कहना है कि रौंठी पीक पर पहले से कोई दरार थी, जिसके ऊपर बर्फ भी थी। चट्टान का वही हिस्सा उस बर्फ समेत टूट कर इस गदेरे में आ गया। भारी मात्रा में आया यह बर्फ और मलबा ही इतनी बड़ी बाढ़ का कारण बना। जहां यह धारा ऋषिगंगा से मिलती है, वहां इस मलबे ने मिट्टी और पत्थर की बड़ी दीवार बनाकर ऋषिगंगा के पानी को भी रोक दिया, जिससे ऋषिगंगा में झील बन गई है। यह झील अब ग्रामीणों की चिंता का एक अलग कारण बनी हुई है।

पिछले महीने भर में 72 शव बरामद हुए हैं। 206 लोग अब भी लापता हैं। यह मात्र संख्या नहीं है। इन लोगों के घर यहीं पर थे। इनके परिजन हैं।

ये अपने-अपने घरों के कमाऊ लोग थे। इनके बाद बहुत से घरों में कोई कमाने वाला नहीं रहा। कई के तो अभी बहुत छोटे बच्चे हैं। किसी की पत्नी गर्भवती है। किसी की शादी तय थी, तो किसी की नई-नई शादी हुई थी। एक नौजवान के घर में वह इकलौता बेटा था, पिता पैरालिसिस के चलते बिस्तर से उठ नहीं सकते। सबकी कुछ न कुछ कहानी है। मगर इनका जीवन किसी तरह से पटरी पर आए, इस कोशिश के बजाय पिछले 30 दिन में हमने देखा कि सरकार ने पूरा वक्त सिर्फ इस संख्या से ही जूझने में लगाया है।

ऋषिगंगा पावर प्रॉजेक्ट को पूरी तरह नेस्तनाबूद कर बाढ़ और मलबे ने अपनी मुख्य नदी धौलीगंगा का रुख किया, वहां जाते हुए रास्ते में दो लेन के कंक्रीट के मजबूत पुल को तिनके की तरह उड़ा दिया। इसके चलते सीमा की तरफ का आवागमन बंद हो गया। पुल पार के 13 गांवों से भी संपर्क कट गया। धौलीगंगा में यहां से 5 किलोमीटर आगे तपोवन विष्णुगाड़ परियोजना के बैराज क्षेत्र में भी वहां काम कर रहे डेढ़ सौ से ज्यादा लोगों को यह बाढ़ बहा ले गई। इसी परियोजना की सुरंग में लगभग 50 लोग काम कर रहे थे। उनमें 12 लोग तो उसी दिन बचा लिए गए, बाकी महीने भर बाद भी वहीं सुरंग के भीतर हैं, किस हाल में, पता नहीं।

आपदा के पहले ही दिन कुछ घंटों के भीतर मुख्यमंत्री घटनास्थल के दौरे पर आ गए। उनके इस कदम की सराहना हुई।

मगर उनके आने के बाद तमाम मंत्रियों के दौरे होने लगे। मंत्री के पीछे उनके कार्यकर्ताओं की लाइन, फोटो, सेल्फी, बयान। किंतु उससे बचाव राहत में क्या सहयोग हुआ? मुख्यमंत्री के इस बयान ने कि 'आपदा को विकास के खिलाफ प्रोपेगेंडा के लिए इस्तेमाल न करें' लोगों में नाराजगी ही पैदा की। उनके घाव को हरा ही किया। जहां लोग अपने परिजनों को लेकर परेशान थे, उनको खोजे जाने की उम्मीद कर रहे थे, वहीं मुख्यमंत्री को परियोजना की चिंता थी। इस गलत प्राथमिकता ने लोगों को तकलीफ पहुंचाई।

शुरू में बचाव व राहत कार्य का केंद्र तपोवन में एनटीपीसी की सुरंग ही बनी। बाकी के प्रभावित क्षेत्र प्रशासन के ध्यान से दूर रहे। इसके चलते उसी कंपनी की परियोजना के बैराज में गायब 100 से ज्यादा लोगों की तरफ कोई ध्यान नहीं दिया गया, जो आपदा के दिन रविवार होने के बावजूद बड़ी संख्या में बैराज के चैनल पर काम कर रहे थे। वहां आज 15 से 20 मीटर मलबा है। ऋषिगंगा पावर प्रॉजेक्ट में काम कर रहे मजदूरों के साथ स्थानीय लोग भी लापता हुए थे। उनके परिजनों ने प्रशासन से अपने लोगों को ढूंढने की गुहार लगाई, पर सब निष्फल रहा। बचाव राहत अभियान में अगर कोऑर्डिनेशन होता, लोगों के सुझाव लिए जाते और उन पर अमल होता तो हालात शायद इतने बुरे न होते। कुछ और जानें बचा ली जातीं।

मलबे का आना जारी

हिमालय सबसे नए बनते पर्वत हैं।

ये मानवता की धरोहर हैं। इनका संरक्षण भविष्य की पीढ़ियों के लिए जरूरी है। महज निहित स्वार्थ के लिए इनको स्थायी नुकसान पहुंचाना कहीं से भी उचित नहीं। रैणि में जहां परियोजना बन रही थी, वह संरक्षित क्षेत्र है। यहां स्थानीय नागरिकों का चारा-पत्ती तोड़ना, जंगल में जाना भी प्रतिबंधित है। यह माना गया है कि इससे वहां की अति संवेदनशील जैव विविधता को नुकसान हो जाएगा। इसीलिए यहां चिपको आंदोलन चला।

अभी भी ऋषिगंगा में मलबा लगातार आ रहा है। ग्रामीणों को लगता है कि आपदा में पत्थर की बड़ी दीवार से बनी झील अगर टूटी तो एक बार फिर भीषण बिपदा झेलनी पड़ सकती है। यह डर उस क्षेत्र में ठीक ग्लेशियर के मुहाने पर विस्फोटकों के इस्तेमाल के साथ बड़ी-बड़ी परियोजनाओं की मंजूरी का परिणाम है। और प्रकृति से यह खिलवाड़ भविष्य के लिए गंभीर खतरे का संकेत दे रहा है।

पालघर की आश्रमशाला में कोरोना विस्फोट, 48 छात्रों के बाद 19 कर्मचारी भी पॉजिटिव

पालघर, महाराष्ट्र के आदिवासी जिले पालघर में कोरोना मरीजों की संख्या में तेजी से इजाफा हो रहा है। जिले की आश्रमशाला (सरकारी निवासी स्कूल) की कैंटीन के 19 कर्मचारी कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं । जिसकी वजह से अब इस स्कूल में किचन को बंद कर दिया गया है।

दो दिन में 86 लोग कोरोना पॉजिटिव पालघर जिले की जव्हार नगर परिषद इलाके में यह आश्रमशाला है। इस स्कूल में भोजन आपूर्ति के लिए विनुअल सेंट्रल नाम की एक किचन है। इस किचन के 19 कर्मचारी कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं। इस वजह से फिलहाल किचन को पूरी तरह से बंद कर दिया गया है।

वहीं दूसरी तरफ जव्हार तहसील के हिरडपाड़ा आश्रमशाला (निवासी स्कूल) में 48 विद्यार्थी कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं। इन विद्यार्थियों के अलावा 6 शिक्षक भी कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं। ऐसे में जव्हार तहसील में कोरोना मरीजों की संख्या 86 तक पहुंच चुकी है। शुरू है इलाज फिलहाल

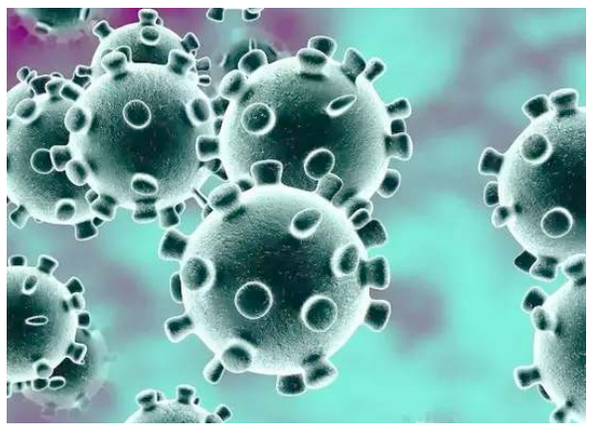

कोरोना पॉजिटिव मरीजों का इलाज शुरू है आश्रम शाला के विद्यार्थियों को जब हार के ही लड़कियों के हॉस्टल गर्ल शिफ्ट किया गया है करुणा के बढ़ते मामलों को देखते हुए साप्ताहिक बाजार को भी बंद रखने का आदेश दिया गया है। जिन लोगों को सर्दी और बुखार की शिकायत आ रही है। उनका विक्रमगढ़ के रिवेरा कोविड अस्पताल में इलाज किया जा रहा है। पालघर में कोरोना के 896 मामले

पालघर में बीते 24 घंटों के दौरान 23 कोरोना मरीज पाए गए हैं। पालघर में कुल मिलाकर 49 हज़ार 687 कोरोना मरीज अब तक पाए जा चुके हैं। जिसमें से 47 हज़ार 842 मरीज ठीक होकर अपने घर जा चुके हैं। जबकि 939 कोरोना मरीजों की मौत भी हुई है। फिलहाल पालघर में 896 कोरोना मरीज हैं।

महाराष्ट्र भी कोरोना के मामलों में तेजी से इजाफा हो रहा है। बीते 24 घंटों में राज्य में 15,817 नए मामले सामने आए हैं जबकि 56 लोगों की मौत हुई है। वहीं मुंबई शहर में भी कोरोना के 1647 मामले सामने आए हैं। जबकि 4 लोगों की मौत हुई है। राज्य में अब तक कुल मौतों का आंकड़ा 52,723 तक पहुंच चुका है।

उद्धव ठाकरे बोले- वैक्सीन से डरने की जरुरत नहीं है... मैंने लगवाई है, अब आप लोग भी टीका लगवाएं

मुंबई, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने मुंबई स्थित जेजे अस्पताल में कोरोना महामारी से बचाव करने वाला टीका लगवाया है। उद्धव ठाकरे के साथ उनके बेटे और पर्यावरण मंत्री आदित्य ठाकरे और पत्नी पत्नी रश्मि ठाकरे भी मौजूद थे। आपको बता दें कि एनसीपी प्रमुख शरद पवार ने भी कुछ दिनों पहले कोरोना का टीका लगवाया था।

जांच के बाद लगा टीका उद्धव ठाकरे के अस्पताल निजी अस्पताल पहुंचने के बाद पहले उनकी जांच की गई और सभी रिपोर्ट देखने के बाद उन्हें कोरोना वैक्सीन का इंजेक्शन लगाया गया। उनके साथ उनकी पत्नी रश्मि ठाकरे ने भी कोरोना वैक्सीन लगवाई है। जनता वैक्सीन लगवाने की अपील कोरोना का टीका लगवाने के बाद मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने महाराष्ट्र की जनता से भी कोरोना वैक्सीन लगवाने का अनुरोध किया है। उन्होंने कहा कि कोविड-19 वैक्सीन को लेकर किसी भी प्रकार की चिंता मन में रखने की जरूरत नहीं है। मैंने कोरोना वैक्सीन की डोज़ ली है और उसके बाद आप सबसे अपील करता हूं कि आप सभी कोरोना वैक्सीन का टीका लगवाएं ताकि कोरोना को जल्द से जल्द खत्म किया जा सके। बीते 24 घंटों में राज्य में 13659 नए मामले सामने आए हैं जबकि 54 लोगों की मौत हुई है। वहीं मुंबई शहर में भी कोरोना के 1539 मामले सामने आए हैं। जबकि 5 लोगों की मौत हुई है। राज्य में अब तक कुल मौतों का आंकड़ा 52,610 तक पहुंच चुका है।

एनकाउंटर स्पेशलिस्ट सचिन वझे का वॉट्सऐप पर मेसेज, लिखा- दुनिया को 'अलविदा कहने का समय आ गया'

मुंबई, मनसुख हिरेन की हत्या मामले में फंसे मुंबई पुलिस के एनकाउंटर स्पेशलिस्ट सचिन वझे ने वॉट्सऐप पर बेहद इमोशनल मेसेज लिखा है। वझे ने लिखा, 'इतिहास एक बार फिर से दोहराया जाएगा। मेरे सहयोगी अधिकारी मुझे गलत तरीके से फंसाने में जुटे हैं। हालांकि पहले की अपेक्षा इस बार हालात अलग हैं। तब मेरे पास 17 साल की आशा थी, संयम, जिंदगी और नौकरी भी थी। लेकिन अब मेरे पास ना तो 17 साल की जिंदगी है और ना ही नौकरी और धीरज। मुझे लगता है कि दुनिया से दूर जाने का वक्त पास आ गया है।' वझे ने ख्वाजा यूनुस मामले में हुई अपनी गिरफ्तारी का जिक्र किया है। उन्होंने कहा कि इस मामले में अभी तक कोई नतीजा नहीं आया है। आपको बता इस मामले में फंसने की वजह से उन्हें 16 साल तक पुलिस फ़ोर्स से बाहर रहना पड़ा था। अब दोबारा वापसी के बाद वो विवादों में फंसते हुए नज़र आ रहे हैं। एटीएस ने 10 घंटे तक पूछताछ की थी विरोधी पक्ष ने सचिन वझे के पद पर बने रहने पर सवाल उठाते हुए हिरेन की पत्नी विमला के हवाले से आरोप लगाते हुए कहा कि सचिन पर हत्या का केस दर्ज करते हुए उन्हें गिरफ्तार किया जाना चाहिए। इसके लिए वझे का पद से निलंबन होना जरूरी है। वझे अगर पद पर बने रहेंगे तो वह मनसुख की कथित मौत से जुड़े सबूतों को मिटाने की कोशिश कर सकते हैं। विपक्षी नेता देवेंद्र फडणवीस की मांग से ठाकरे सरकार दबाव में आ गई थी। इसके बाद गृहमंत्री अनिल देशमुख ने सचिन वझे को क्राइम ब्रांच इंचार्ज और मनसुख हिरेन केस से हटा दिया था। सूत्रों से के मुताबिक, विमला हिरेन की ओर से हत्या का आरोप लगाए जाने के बाद सचिन वझे खुद ही एटीएस के सामने पूछताछ के लिए पहुंचे थे। एटीएस ने उनसे 10 घंटे तक पूछताछ की थी।

ATM काट रहा था, महिला ने बाहर से ताला लगाकर मचाया शोर, फिर ऐसे पकड़ा गया चोर

मुंबई, मुंबई के वसई में रहने वाली 45 साल की महला की सतर्कता से एटीएम में चोरी होने से बच गई। महिला अपने रिश्तेदार से मिलने के लिए एक आवासीय भवन में गई थी। वहां उसे एक चोर एटीएम कियोस्क को काटते नजर आया। महिला ने एटीएम के बाहर ताला डाल दिया और शोर मचाकर लोगों को अलर्ट किया।

सुकन्या पवार के एक रिश्तेदार का कुछ दिन पहले निधन हो गया था। वह पितावाड़ी, वसई (पूर्व) में उनके यहां मिलने गई थीं। वहां पर वह कुछ धार्मिक पुस्तकें पढ़ रही थीं। रात में लगभग 2.30 बजे इमारत के नीचे से उन्हें कुछ शोर सुनाई दिया। उन्होंने देखा तो यह शोर एक नैशनल बैंक के एटीएम के अंदर से आ रहा था। उन्हें समझने में देर नहीं लगी कि कोई शटर से एटीएम काटने की कोशिश कर रहा है। ताला डालकर मचाया शोर सुकन्या तुरंत नीचे आई और उन्होंने शटर को धीरे से नीचे खींचा। उन्होंने अंदर झांका तो कोई एटीएम कियोस्क काटने में लगा था। वह दौड़कर वापस रिश्तेदार के घर गईं और वहां से ताला उठाकर लाईं। उन्होंने शटर में ताला डाल दिया और वहां खड़े होकर जोर-जोर से शोर मचाने लगीं। वहां भीड़ एकत्र हो गई। चोर से हथौड़े से डराया भीड़ की चीख-पुकार ने गश्त कर रही पुलिस को सतर्क कर दिया। लोगों ने पुलिस को घटना बताई तो पुलिस ने ताला खुलवाकर चोर को बाहर निकाला। आरोपी के हाथ में हथौड़ा था, जिससे उसने लोगों और पुलिस को डराया। लेकिन पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। एटीएम तोड़ लिया था, लेकिन बच गए 10 लाख रुपये चोर की पहचान बोरिवली निवासी सलीम मंसूरी (25) के रूप में हुई। पुलिस ने कहा कि मंसूरी ने मशीन काट ली थी लेकिन लेकिन उसके अंदर मौजूद 10 लाख रुपये की नकदी पर हाथ नहीं रख पाया। जब उसने महसूस किया कि वह अंदर फंस गया है, तो उसने मशीन के साथ छेड़छाड़ बंद कर दी और खोखे के अंदर बैठ गया। लोगों ने आवाजें सुनीं, पर बाहर नहीं निकले इमारत के अन्य निवासियों ने पुलिस को बताया कि उन्होंने कुछ आवाज़ें सुनी हैं लेकिन जांच करने की जहमत नहीं उठाई। वलिव पुलिस ने आरोपी के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया। पुलिस ने कहा कि मंसूरी की चोरी के लिए पूर्व में मामला दर्ज किया जा चुका है लेकिन एटीएम चोरी से संबंधित कोई नहीं है।

बेटिकट यात्रियों से मध्य रेलवे ने वसूला "7 करोड़ जुर्माना

मुंबई, रेलवे द्वारा यात्रियों की वर्गों में बांटने के बाद बेटिकट यात्राओं के मामले बढ़ गए हैं। खासतौर पर उपनगरीय रूट पर कहीं फर्जी आईडी, तो कहीं बिना अनुमति वाले समय में बेटिकट यात्राओं के मामले बढ़े हैं। मध्य रेलवे ने इस तरह के अपराध को रोकने के लिए विशेष टीमों का गठन कर अभियान चलता है। परिणाम के तौर पर 15 जून 2020 से 28 फरवरी 2021 तक मध्य रेलवे ने 2.38 लाख यात्रियों बेटिकट या अनियमित यात्रा करते हुए पकड़ा है। करोड़ों रुपये का जुर्माना पिछले आठ महीनों में अवैध तौर पर यात्रा करने वालों से मध्य रेलवे ने 7.61 करोड़ रुपये का जुर्माना वसूला है। इसमें से लगभग 1.75 लाख मामले उपनगरीय ट्रेनों में पकड़े गए, जिनसे जुर्माने के रूप में 5.10 करोड रुपये और गैर-उपनगरीय ट्रेनों में 63 हजार मामलों से जुर्माने के रूप में 2.51 करोड़ रुपये वसूले गए। लंबी दूरी के यात्रियों के बहाने लंबी दूरी की ट्रेनों में आरक्षित टिकट न मिलने पर यात्री किसी न किसी बहाने से यात्रा करते हैं। अवैध तरीके से टिकट बुक कराते हैं। मसलन, वरिष्ठ नागरिकों के कोटे से टिकट निकालकर यात्रा करना, ई- टिकट के साथ छेड़छाड़ कर उसे वेलिडेट करने की कोशिश करना, टिकट की रंगीन जेरॉक्स के साथ यात्रा करना, फर्जी आईडी कार्ड के साथ यात्रा करना या फिर परिवार या रिश्तेदार के नाम पर बुक टिकट पर अन्य व्यक्ति द्वारा यात्रा करने के मामले सामने आए हैं।

मुंबई आकर शरद पवार से मिले हार्दिक पटेल

मुंबई, गुजरात कांग्रेस के नेता हार्दिक पटेल ने गुरुवार सुबह मुंबई में एनसीपी प्रमुख और पूर्व केंद्रीय मंत्री शरद पवार से मुलाकात की। हाल ही में हुए गुजरात के स्थानीय निकाय चुनावों में कांग्रेस की बुरी तरह हार के बाद इस मुलाकात के कई सियासी मायने निकाले जा रहे हैं।

बता दें कि 2017 के गुजरात विधानसभा चुनाव के बाद से गुजरात में एनसीपी और कांग्रेस के रिश्ते खत्म हो गए हैं। 2019 के विधानसभा उपचुनाव और 2020 के राज्यसभा चुनाव में भी दोनों पार्टियों के बीच कोई समन्वय नहीं हो पाया। इसका खामियाजा दोनों ही पार्टियों को भुगतना पड़ा है। 2017 में एनसीपी से गठबंधन ना हो पाने के कारण जहां कांग्रेस अच्छे प्रदर्शन के बावजूद गुजरात में सरकार बनाने से वंचित रह गई, वहीं एनसीपी कि इतनी दुर्गति हुई कि उसे 0.6% वोट मिले जो नोटा से भी कम थे। इन तमाम बातों को ध्यान में रखते हुए गुजरात कांग्रेस के कार्याध्यक्ष हार्दिक पटेल और शरद पवार के बीच हुई मुलाकात को देखा जा रहा है। उल्लेखनीय है गुजरात में कांग्रेस के प्रभारी राजीव सातव भी महाराष्ट्र से ही हैं, जिनकी वजह से गुजरात में एनसीपी के साथ गठबंधन नहीं हो पाया था। हार्दिक पटेल की शरद पवार से मुलाकात एक मतलब गुजरात कांग्रेस प्रभारी राजीव सातव का प्रभाव कम होना भी माना जा रहा है। कांग्रेस के अंदरूनी सूत्रों के मुताबिक गुजरात कांग्रेस में हार्दिक पटेल को और बड़ी और महत्वपूर्ण जिम्मेदारी देने की चर्चा है। ऐसे में, उनका शरद पवार से मिलना किसी नए राजनीतिक गठजोड़ का हिस्सा हो सकता है। यह इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि गुजरात कांग्रेस का मौजूदा नेतृत्व पार्टी में मची पतझड़ को रोकने में कामयाब नहीं हो पा रहा है। पिछले साल ही कांग्रेस के 5 विधायक पार्टी छोड़ चुके हैं। इसलिए यह अंदाजा भी लगाया जा रहा है कि कांग्रेस आलाकमान को विश्वास में लेकर ही हार्दिक पटेल ने शरद पवार से मुलाकात की है।दो दिन से मुंबई में थे हार्दिक यहां यह भी बताना जरूरी है कि गुजरात कांग्रेस की प्रदेश इकाई और हार्दिक पटेल के बीच में रिश्ते बहुत अच्छे नहीं हैं। हालांकि, उन्होंने राहुल और प्रियंका के नेतृत्व में अपना भरोसा जताया है, परंतु हाल के स्थानीय निकाय चुनावों में अपना सही ढंग से इस्तेमाल न करने का आरोप हार्दिक पटेल प्रदेश कांग्रेस पर लगा चुके हैं। इसीलिए चर्चा यह भी चल पड़ी है कि कहीं हार्दिक पटेल कांग्रेस छोड़ एनसीपी में शामिल होने की फिराक में तो नहीं हैं। हार्दिक पिछले दो दिन से मुंबई में थे इस दौरान उन्होंने शरद पवार के पोते और एनसीपी विधायक रोहित पवार से भी मुलाकात की। महाराष्ट्र कांग्रेस के भी कुछ नेताओं से उन्होंने मुलाकात की जिसमें ज्यादातर राजीव सातव विरोधी गुट के हैं।

नगरसेविका ने मांगी बैल गाड़ी पार्क करने की अनुमति

नवी मुंबई, पेट्रोल, डीजल की आसमान छूती कीमतों ने आम आदमी की मुसीबतें बढ़ा दी हैं। तेल की बढ़ी कीमतों का सीधा असर अब किराना, सब्जी और फलों की कीमतों पर पड़ने लगा है। इसका सबसे अधिक असर वाहन से चलने वाले लोगों पर देखने को मिल रहा है। इसी से परेशान शिवसेना नगरसेविका ने अपने घर के बाहर और मनपा मुख्यालय में बैल गाड़ी खड़ी करने और बैल बांधने के लिए पार्किंग बनाने की मांग की है। पेट्रोल और डीजल के दाम बढ़ने से जहां किसान बेहाल हैं, वहीं आमजन पर भी महंगाई की मार पड़ रही है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतें गिरी हैं, बावजूद इसके देश में पेट्रोल-डीजल के दाम आसमान छू रहे हैं। नवी मुंबई के ऐरोली प्रभाग 13 से शिवसेना नगरसेविका नंदा कुंदन काटे ने पेट्रोल-डीजल के बढ़े दामों के खिलाफ मनपा आयुक्त अभिजीत बांगर से मुलाकात कर एक निवेदन दिया है। इसके तहत उन्होंने बैल गाड़ी पार्क करने की अनुमति मांगी है। नंदा काटे ने आयुक्त से शहर भर में कुछ जगहों पर बैल गाड़ी पार्क करने के लिए पे ऐंड पार्क के तहत जगह आरक्षित रखने की मांग भी की है। ताकि अन्य नागरिक भी इस सुविधा का लाभ ले सकें।

शिवसेना के कब्जे वाली बीएमसी के कामकाज पर कांग्रेस ने उठाए सवाल

मुंबई, राज्य की सत्ता में शिवसेना के साथ काम कर रही कांग्रेस ने बीएमसी में शिवसेना के कामकाज को लेकर सवाल उठाए हैं। कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि मुंबई में सात जगहों पर मल निस्तारण केंद्र बनाने का प्रस्ताव 15 साल पहले मंजूर हुए था, लेकिन यह अब तक नहीं बन पाए हैं। इसकी वजह से मुंबई का गंदा पानी समुद्र में जा रहा है, जो पर्यावरण की दृष्टि से घातक है। इतना ही नहीं समुद्र में गंदा पानी छोड़ने के लिए नैशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल ने मुंबई महानगरपालिका पर 30 करोड़ रुपये का दंड लगाया है। मुंबई कांग्रेस के अध्यक्ष भाई जगताप ने शुक्रवार को एक संवाददाता सम्मेलन में यह बात कही। इस मौके पर उनके साथ मुंबई कांग्रेस के कार्याध्यक्ष चरणजीत सिंह सप्रा और बीएमसी में नेता विपक्ष रवि राजा भी उपस्थित थे। जगताप ने बताया कि 2017 में मुंबई महानगर पालिका ने वर्ली, बांद्रा, धारावी, वर्सोवा, मालाड, भांडुप और घाटकोपर में मल निस्तारण केंद्र स्थापित करने का ऐलान किया था। इसके लिए बजट में 178 करोड़ रुपये का प्रावधान भी किया था।

समंदर के रास्ते घटाएंगे वर्सोवा-विरार की दूरी, तीसरे सी-लिंक के निर्माण की प्रक्रिया हुई शुरु

- जल्द ही शुरु किया जाएगा डीपीआर का काम
- ब्रिज बनने पर एक से डेढ़ घंटे में पहुंचेंगे वर्सोवा से विरार
- अभी लग जाता है करीब दो से तीन घंटे का वक्त
- 32 हजार, 865 करोड़ रुपये का है सी-लिंक प्रॉजेक्ट
- पहले चरण में वर्सोवा-वसई, दूसरे चरण में वसई-विरार

मुंबई, महाराष्ट्र राज्य सड़क विकास निगम (एमएसआरडीसी) ने महानगर के सागर पर तीसरा सी-लिंक तैयार करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। सागर पर बनने वाले ब्रिज की डिटेल प्रॉजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने के लिए निगम ने अंतरराष्ट्रीय स्तर के सलाहाकार की नियुक्त करने का निर्णय लिया है।

अनुभवी और योग्य सलाहकार की खोज के लिए टेंडर जारी कर दिया गया है। इच्छुक उम्मीदवार 5 अप्रैल तक टेंडर प्रक्रिया में शामिल होने के लिए आवेदन कर सकते हैं। आवेदकों को ब्रिज की विस्तृत जानकारी मुहैया करवाने के लिए 19 मार्च को एमएसआरडीसी कार्यालय में प्री-बिड मीटिंग आयोजित की गई है।

नया मार्ग बढ़ाएगा रफ्तार, घटेगी दूरी मुंबई से विरार तक सफर करने वाले वाहन चालकों को सी-लिंक के रूप में नया मार्ग उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से बन रहे ब्रिज के निर्माण पर करीब 32 हजार, 865 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे।

जानकारी के अनुसार, तीसरे सी लिंक का निर्माण दो चरणों में किया जाएगा। पहले चरण में वर्सोवा से वसई और दूसरे चरण में वसई से विरार तक सी-लिंक का निर्माण किया जाएगा। नागरिकों की सुविधा के लिए पूरे मार्ग पर चार कनेक्टर होंगे। सड़क मार्ग से वर्सोवा से विरार की दूरी करीब 80 किमी है। फिलहाल, इसे तय करने में दो से तीन घंटे का समय लगता है। व्यस्त समय के दौरान यात्रा की अवधि में और इजाफा हो जाता है। ब्रिज बन जाने के बाद यह यात्रा एक से डेढ़ घंटे में पूरी की जा सकेगी। बांद्रा-वर्सोवा सी-लिंक निर्माण भी तेज गौरतलब है कि एमएसआरडीसी बांद्रा से वर्सोवा के बीच 17 किमी लंबा सी लिंक का निर्माण कर रही है।

8 लेन वाले इस सी-लिंक के निर्माण पर 11 हजार, 332 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। बांद्रा से वर्ली के बीच 5.6 किमी लंबा सी लिंक 2010 में ही बनकर तैयार हो चुका है।

इस ब्रिज से रोजाना हजारों वाहन गुजरते हैं। सरकार की योजना तीनों सी-लिंक को एक दूसरे से कनेक्ट करने की है। बांद्रा-वर्सोवा और वर्सोवा-विरार सी-लिंक के बन जाने से विरार से बांद्रा तक पहुंचना बेहद आसान हो जाएगा। इससे सड़क मार्ग पर होने वाले ट्रैफिक जाम में भी कमी आएगी।

हर रोज 2 अंडे का सेवन आपकी त्वचा और बालों के लिए कर सकता है चमत्कार

अंडों का सेवन स्वास्थ्य के लिए बेहद फायदेमंद माना जाता है, चाहे आपके शारीरिक स्वास्थ्य की बात हो या आपके त्वचा और बालों के स्वास्थ्य की, अंडे आपके समग्र स्वास्थ्य के लिए

फायदेमंद हैं। आप उन्हें उबालकर खाएं या उनका ऑमलेट बनाएं, अंडे नाश्ते का एक स्वस्थ विकल्प हैं। हालांकि कुछ लोगों का मानना है कि अंडे की जर्दी में उच्च कोलेस्ट्रॉल की मात्रा स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकती है, लेकिन विशेषज्ञों का कहना है कि मोडरेशन इसकी कुंजी है।

सीमित मात्रा की बात करें तो हम यहां आपको रोजाना दो पूरे अंडे खाने के 8 स्वास्थ्य लाभों के बारे में बता रहे हैं। क्या आप इसके लिए उत्सुक हैं? चलिए तो फिर शुरू करते हैं।

अंडे खाने से कोलेस्ट्रॉल कैसे प्रभावित हो सकता है

एक अंडे में लगभग 186 मिलीग्राम (मिलीग्राम) डाइट्री कोलेस्ट्रॉल होता है। हालांकि, अमेरिकी कृषि विभाग द्वारा आहार संबंधी दिशानिर्देशों के अनुसार, अंडे लगभग 70 प्रतिशत लोगों में कोलेस्ट्रॉल नहीं बढ़ाते। शेष 30 प्रतिशत लोग, जो हाइपर रिस्पॉन्डर्स हैं, अंडे का सेवन करके अपने कुल और कम घनत्व वाले लिपोप्रोटीन (एलडीएल) में मध्यम वृद्धि का अनुभव कर सकते हैं।

एक और अच्छी बात यह है कि अंडे खाने से हाई डेंसिटी लिपोप्रोटीन (एचडीएल), अच्छा कोलेस्ट्रॉल भी बढ़ जाता है। एचडीएल कोलेस्ट्रॉल के पर्याप्त स्तर वाले लोगों में हृदय रोग और अन्य हृदय रोगों का जोखिम कम होता है। एक अध्ययन के अनुसार, छह सप्ताह तक प्रतिदिन दो अंडे खाने से एचडीएल में 10 प्रतिशत की वृद्धि हो सकती है।

त्वचा, बाल और नाखून

अंडे बी विटामिन, विटामिन बी

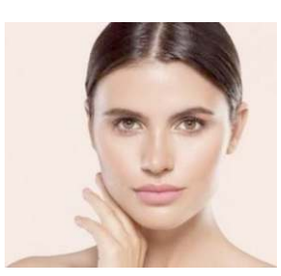

12, बी 5, बायोटिन, राइबोफ्लेविन, थियामिन और

सोनल झालावाड़िया

सेलेनियम से भरपूर होते हैं। ये सभी विटामिन आपके बालों, त्वचा और नाखूनों को बनाए रखने के लिए बहुत अच्छे हैं। वे हमारी कोशिकाओं को पोषण देते हैं, त्वचा की लोच को बढ़ावा देते हैं और फ्री रेडिकल्स से होने वाले क्षति का प्रतिकार करते हैं।

सिर में ही नहीं पेट में भी होता है माइग्रेन का दर्द, जानें क्या हैं लक्षण और बचाव के उपाय

माइग्रेन का नाम सुनते ही सबसे पहला ख्याल सिर में होने वाले तेज दर्द का आता है। लेकिन क्या आप जानते हैं माइग्रेन का दर्द सिर्फ सिर दर्द से ही बेहाल नहीं करता बल्कि कई बार यह पेट दर्द की भी समस्या पैदा कर सकता है। अगर यह सुनकर आप हैरान हो रहे हैं तो आइए आपको बताते हैं आखिर क्या होता है पेट में होने वाले माइग्रेन यानी एब्डॉमिनल माइग्रेन और क्या हैं इसके लक्षण और बचाव के उपाय।

क्या होता है एब्डॉमिनल माइग्रेन-

एब्डॉमिनल माइग्रेन से पीड़ित व्यक्ति के सिर की ही तरह पेट में तेज दर्द होता है। पेट में होने वाले इस माइग्रेन के दर्द को 'एब्डॉमिनल माइग्रेन' कहते हैं। इसमें पेट में तेज दर्द, मरोड़, थकान और उल्टी भी हो सकती है। विशेषज्ञों की मानें तो इस तरह का माइग्रेन दर्द अनुवांशिक कारणों से ज्यादा होता है।

एब्डॉमिनल माइग्रेन का खतरा किसे सबसे ज्यादा-

आपको जानकर हैरानी होगी कि इस तरह के माइग्रेन के दर्द के शिकार आमतौर पर छोटे बच्चे होते हैं। इस तरह के माइग्रेन का सबसे ज्यादा खतरा उन बच्चों को होता है जिनके माता-पिता

पहले से माइग्रेन के शिकार होते हैं। इन बच्चों को बड़े होकर सिर के माइग्रेन की शिकायत की संभावना भी सबसे ज्यादा होती है।

एब्डॉमिनल माइग्रेन का कारण-

डॉक्टरों की मानें तो शरीर में बनने वाले दो कंपाउंड हिस्टामाइन और सेरोटोनिन इस तरह के दर्द के लिए जिम्मेदार होते हैं। शरीर में ये दोनों ही कंपाउंड अधिक तनाव लेने और अवसाद के कारण बनते हैं।इसके अलावा चाइनीज फूड्स में इस्तेमाल किया जाने वाला मोनोसोडियम ग्लूटामेट, प्रोसेस्ड मीट और चॉकलेट का अधिक सेवन करने से भी शरीर में ये कंपाउंड बनने लगते हैं।

एब्डॉमिनल माइग्रेन के लक्षण-

-पेट में तेज दर्द की समस्या

-भूख कम लगना और खाने-पीने का मन न करना

संजय शर्मा

-आंखों के नीचे काले घेरे आना

-पेट का रंग पीला दिखाई देना

एब्डॉमिनल माइग्रेन का उपचार-

एब्डॉमिनल माइग्रेन के सही-सही कारण का अब तक पता नहीं लगाने की वजह से कई बार यह समस्या बेहद गंभीर हो जाती है। चिकित्सक इसका इलाज सामान्य माइग्रेन की तरह करते हैं, जिससे कई बार रोगी को पूरा लाभ नहीं मिल पाता है। जब कभी एब्डॉमिनल माइग्रेन का कोई लक्षण बच्चे में दिखाई दे तो उसे बिना देर किए तुरंत डॉक्टर के पास ले जाएं।

पनीर असली या मिलावटी? इन आसान घरेलू टिप्स से करें चेक

आमतौर पर पनीर को देखकर इसे असली या नकली होने का अंदाजा आसानी से नहीं लगाया जा सकता लेकिन इसे खाने के बाद इसका स्वाद थोड़ा अलग लगता है जिससे पता चल जाता है कि पनीर मिलावटी है लेकिन सबसे बड़ा सवाल यह है कि पनीर खरीदते समय इसकी जांच कैसे करें? आपको भी अगर नकली और असली पनीर की जांच करनी है, तो हम आपको बता रहे हैं कुछ टिप्स-

-पनीर का एक छोटा-सा टुकड़ा आप हाथ में मसलकर देख सकते हैं। अगर यह टूटकर बिखरने लगे तो समझ लीजिए कि पनीर मिलावटी है क्योंकि इसमें मौजूद -'स्कीम्ड मिल्ड पाउडर' ज्यादा दबाव सह नहीं पाता है।

-नकली पनीर ज्यादा टाइट होता है। उसका टैक्सचर रबड़ की तरह होता है।

-अगर आप पनीर घर लेकर आ चुके हैं तो उसे पानी में उबाल कर ठंडा कर लें। जब ठंडा हो जाए तो उस पर कुछ बूंदें आयोडीन टिंचर की डालें, अगर पनीर का रंग नीला पड़ जाए तो समझ लीजिए कि यह मिलावटी है।

दूध नहीं पसंद है तो खा सकते हैं एक स्लाइस चीज, मिलेगा बराबर पोषण

दूध सेहत के लिए काफी फायदेमंद होता है। इसे लगभग परफेक्ट फूड माना जाता है। पोषण से भरपूर होने के बाद भी कई लोग दूध पीना पसंद नहीं करते। खासकर बच्चे इसके लिए काफी ना-नुकुर करते हैं। अगर आपको दूध नहीं पसंद तो इसके जितनी न्यूट्रिशनल वैल्यू वाला एक ऐसा ऑप्शन है जो ज्यादातर

लोग खा सकते हैं। ये है चीज। यह एक ऐसा डेयरी प्रोडक्ट है जिसे फास्ट फूड में खूब पसंद किया जाता है।

पिज्जा, बर्गर, पास्ता, मैकरॉनी, मैगी कई डिशेज में इसको डाला जाता है। यहां जानिए इसके फायदे...

एक्सपर्ट्स की मानें तो सही मात्रा में चीज खाया जाए तो यह आपके लिए फायदेमंद हो सकता है। इसमें प्रोटीन, विटामिन, कैल्शियम, फॉस्फोरस, जिंक, विटामिन डी, विटामिन बी, मैग्नीशीयम, राइबोफ्लेविन जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं। अगर आप दूध नहीं पीते तो 1 स्लाइस चीज आपको लगभग उतना ही पोषण देता है।

अगर आप वजन कम कर रहे हैं तो लो-फैट चीज दिन में दो बार आराम से खा सकते हैं। इसमें प्रोटीन भरपूर मात्रा में होता है। यह बॉडी बिल्डिंग में भी फायेदमंद होता है।

इसमें कैल्शियम होता है जो आपकी हड्डियों और दांतों के लिए अच्छा है। यह बॉडी में नई सेल्स बनाता है और मेटाबॉलिज्म भी ठीक रखता है।

खाने के साथ दही खाने के हैं ये जबरदस्त फायदे, लेकिन इस समय खाने से बचें

अधिकतर लोगों की डाइट का दही एक महत्वपूर्ण हिस्सा होता है। दही में काफी पोषक तत्व होते हैं। रोज दही खाने से न केवल आप तरोताजा रहते हैं बल्कि इससे पाचन तंत्र भी ठीक रहता है और पेट से जुड़ी समस्या भी नहीं होती। ऑस्टियोपोरोसिस, ब्लड प्रेशर, बालों और हड्डियों के लिए भी दही कई तरह से फायदेमंद है।दही प्रोटीन, कैल्शियम, राइबोफ्लेविन, विटामिन B 6 और विटामिन B12 जैसे पोषक तत्वों से समृद्ध होता है।

खाने के साथ दही खाने के फायदे

खाने के साथ दही खाने के कई फायदे हैं। इससे न सिर्फ खाने का स्वाद बढ़ता है बल्कि इससे आपकी पाचन शक्ति भी मजबूत बनती है। आप अगर खाना खाने के बाद चीनी या गुड़ डालकर दही खाते हैं, तो इससे आपकी बॉडी से टॉक्सिक यूरिन के माध्यम से बाहर निकल जाते हैं।

दही के फायदे

-रोज दही खाने से हाई ब्लड प्रेशर का खतरा काफी हद तक कम

होता है। वहीं दिल से जुड़ी बीमारियों से दूर रखने में भी दही उपयोगी होता है।

-दही को आप सीधे बालों और त्वचा पर लगा सकते हैं और बहुत ही जल्दी इसके अच्छे परिणाम देख सकते हैं। डैंड्रफ से बचने के लिए बालों में दही लगाना बेहद अच्छा रहता है। इसके लिए दही को बालों में लगाकर आधे घंटे के बाद बाल धो लें।

-दही फैट की अच्छी फॉर्म है। दही में दूध के बराबर ही पोषक तत्व होते हैं। दही में कैल्शियम भरपूर मात्रा में होता है। दही खाने से दांत और हड्डियां तो मजबूत होती ही हैं, साथ में ऑस्टियोपोरोसिस का खतरा भी कम होता है।

-दही खाने से तनाव कम होता है। दही एनर्जी बूस्टर भी है। ये एक एंटीऑक्सीडेंट की तरह काम करता है और शरीर को हाइड्रेट भी करता है।

-दही से प्रतिरक्षा तंत्र मजबूत होता है। यही नहीं अनिंद्रा की समस्या को दूर भगाने में भी दही फायदेमंद होता है।

रात में न खाएं दही

आयुर्वेद में कहा गया है की रात को दही खाने से बचना चाहिए। रात को दही लेने पर यह एक तरह से शरीर के लिए हानिकारक साबित होता है। रात के समय हमारे शरीर में प्राकृतिक रूप से कफ की प्रबलता बढ़ जाती है। इसलिए रात को दही खाने से पेट से जुडी कई बीमारियां होने का खतरा रहता है। कई एक्सपर्ट्स के अनुसार, रात को दही खाने से फूड पॉइजनिंग तक हो सकती है।

साप्ताहिक राशि भविष्यफल

मेष : इस सप्ताह मेष राशि के जातक सुख-सुविधाओं, भोग विलास के साधनों पर खर्च करेंगे। लेकिन यह खर्च सीमित दायरे में करें तो ही बेहतर रहेगा। करियर के लिए सप्ताह शुभ है। जो जातक नौकरी की तलाश में हैं, वे अच्छा जॉब पा सकते हैं। कारोबारी विस्तार पर काम करें लाभ होगा। मेडिकल प्रोफेशन से जुड़े लोग लाभ में रहेंगे।

वृषभ : अपने कार्यो को टालने की प्रवृत्ति त्यागें। आर्थिक संकट बना हुआ है और इस सप्ताह के अंत में कोई हल निकलेगा। नौकरी मिलेगी, बदलाव संभव है। कारोबारी लोग थोड़े उतार-चढ़ाव से गुजरेंगे। डेयरी प्रोडक्ट, तरल पदार्थो के कारोबारी लाभ में रहेंगे। खर्च नियंत्रित करें, वरना कर्ज लेना पड़ सकता है।

मिथुन : आपके लिए सप्ताह शुभ बीतने वाला है। पारिवारिक समागम, मेलजोल बढ़ेगा। मांगलिक प्रसंगों में शामिल होने का अवसर आएगा। भौतिक सुख प्राप्त होगा। धार्मिक कार्यो में शामिल होंगे। करियर को गति मिलेगी। व्यापार में मंदी का दौर समाप्त होगा। आर्थिक समस्याएं कम होंगी। कर्ज चुकाने की स्थिति बनेगी। स्वास्थ्य बेहतर रहेगा।

कर्क : सप्ताह का प्रारंभ किसी शुभ समाचार से होगा जो आपको पूरे सप्ताह ऊर्जा से भरपूर रखेगा। किसी प्रियजन से लंबे समय बाद भेंट हो सकती है। मित्रों, स्वजनों के साथ किसी मनोरंजक यात्रा पर जाएंगे। नौकरी पेशा और बिजनेस दोनों ही प्रकार के लोगों के लिए उन्नतिदायक समय है। संयम और धैर्य से सभी काम समय पर होंगे।

सिंह : अति आत्मविश्वास भारी पड़ सकता है। रिश्तों को सहेजने के लिए स्वयं के स्वभाव को नर्म करना होगा। यदि आप बॉस हैं तो अपने अधीनस्थों के कार्य को सराहें, उन्हें सपोर्ट करें। बिजनेस में लाभ का समय है। विस्तार कर सकते हैं। शेयर बाजार से जुड़े लोगों को लाभ होगा। पारिवारिक दांपत्य जीवन में खुशहाली आने वाली है।

कन्या : आप किसी दूसरे की वजह से नहीं बल्कि स्वयं के व्यवहार के कारण परेशान रहेंगे। अपने ईगो को साइड में रखकर चीजों को देखेंगे तो सब अच्छा दिखाई देगा। स्वजनों से मतभेद केवल आपके ईगो के कारण हो रहे हैं। आर्थिक स्थिति डगमगा सकती है। नया काम इस सप्ताह ना शुरू करें तो ही बेहतर है। नौकरी में भी जो चल रहा है उसे चलने दें।

तुला : बात-बात पर क्रोध करने की आदत छोड़नी होगी वरना बनते काम बिगाड़ लेंगे। भौतिक सुखों में कमी महसूस कर सकते हैं। पैसों की तंगी परेशान करेगी लेकिन ध्यान रखें कर्ज लेकर कोई काम ना करें। व्यापार में किसी साझेदार की मदद लेना बेहतर रहेगा। नौकरी में भी बदलाव की स्थिति दिख रही है।

वृश्चिक : अपने करियर को गति देने के लिए प्रयास करें, सफलता मिलेगी। वर्तमान में आप जो भी कार्य कर रहे हों चाहे नौकरी या बिजनेस, दोनों में तरक्की का समय है। अपने व्यवहार में सुधार करेंगे तो और भी लाभ अर्जित करेंगे। आर्थिक स्थिति मजबूती की ओर बढ़ रही है। शेयर, कमोडिटी से लाभ कमाएंगे। पारिवारिक जीवन में सहयोग मिलेगा।

धनु : आकस्मिक रूप से कोई लाभ होने के आसार हैं। पुराना निवेश लाभ देगा। भूमि, भवन की खरीदी-बिक्री से लाभ होगा। स्वयं का भवन बनवाने का मार्ग प्रशस्त होगा। सामाजिक जीवन में कोई सम्मान मिल सकता है। पारिवारिक जीवन में तनाव और मनमुटाव कम होगा। स्वजनों के साथ किसी सुखद यात्रा पर जा सकते हैं।

मकर : इस सप्ताह आपकी आर्थिक योजनाएं रफ्तार पकड़ेगी। नया बिजनेस प्रारंभ करने का यही सही समय है लेकिन नौकरी पेशा स्थिर अवस्था में रहें, जो जैसा चल रहा है चलने दें। पारिवारिक और सामाजिक जीवन में प्रतिष्ठा प्राप्त होगी। प्रेम संबंध मजबूत होंगे। जीवनसाथी के साथ तालमेल अच्छा रहेगा।

कुंभ : अपने कार्यो को पूरा करने के लिए समय की प्रतीक्षा न करें। किसी के सहयोग के बिना भी यदि काम कर सकते हैं तो करें, लाभ ही मिलेगा बस स्वयं पर भरोसा रखें। नौकरी और कारोबार दोनों को ही गति मिलेगी। पारिवारिक समागम होगा। किसी उत्सव में शामिल होने का अवसर आएगा। नए कार्य, भवन निर्माण, जमीन खरीदने के लिए समय बेहतर है।

मीन : यह सप्ताह सकारात्मक बदलावों का सप्ताह है। जो काम लंबे समय से पूरे होने की प्रतीक्षा आपको है वह हो जाएंगे। पारिवारिक, सामाजिक, आर्थिक, स्वास्थ्य सभी के लिए समय बेहतर है। नया कारोबार प्रारंभ कर सकते हैं। प्रतिष्ठा और मान-सम्मान में वृद्धि होगी। धार्मिक आध्यात्मिक संस्थाओं से जुड़कर स्वयं का विकास करेंगे।

गोलू अपनी गर्लफ्रेंड को लेकर होटल गया।
गोलू - बोलो जानू, क्या मंगाऊं?
गर्लफ्रेंड - मेरे लिए तो बर्गर मंगा लो और अपने लिए एंबुलेंस
गोलू - अरे एंबुलेंस क्यों?
गर्लफ्रेंड - पीछे देखो तुम्हारी बीवी खड़ी है

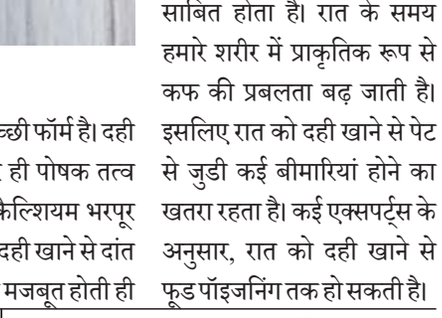

रात के खाने के साथ पत्नी बहुत सारी दवा लेकर आई...
पत्नी - ये लो खाने के साथ बुखार की दवा खालो।
पति - नहीं मुझे बुखार नहीं है।
पत्नी - तो डाइजीन ले लो।
पति - नहीं मुझे गैस भी नहीं है।
पत्नी - तो फिर पुदीनहरा ले लो।
पति - नहीं मेरा पेट भी ठीक है।
पत्नी - लो दर्द की दवा ही ले लो, हाथ-पैर दुखना बंद हो जाएगा।
पति - अरे गजब करती हो, मुझे कुछ नहीं हुआ है।
मैं एकदम ठीक हूं, तंदुरुस्त हूं।
पत्नी - तो फिर उठो फटाफट, मूवी देखने चलते हैं

सोनू परेशान था...
मोनू ने पूछा - क्या हुआ?
सोनू - यार लेटर से धमकी मिली है कि मेरी बीवी से इश्क बंद कर दो, नहीं तो जान से मार दूंगा
मोनू - ठीक तो है, बंद कर दो
सोनू - लेटर गुमनाम है, समझ नहीं पा रहा हूं किसकी बीवी से इश्क बंद करना है

कुरान की 26 आयतें हटाने के लिए वसीम रिजवी की याचिका पर भड़का गुस्सा, सिर काटकर लाने पर 11 लाख का इनाम रखा

शिया वक्फ बोर्ड के पूर्व चेयरमैन वसीम रिजवी ने कुरान की 26 आयतों को हटाने से संबंधित एक जनहित याचिका सुप्रीम कोर्ट में दाखिल की है। इसके साथ ही रिजवी ने कुछ आयतों को आतंकवाद को बढ़ावा देने बताया है। उनका दावा है कि ये आयतें कुरान में बाद में शामिल की गई हैं। वसीम रिजवी के इस कदम से मुस्लिम समाज का गुस्सा भड़क गया है। राहत मोलाई कोमी एकता संगठन की ओर से मुरादाबाद में आयोजित कार्यक्रम में बार के पूर्व अध्यक्ष अमीरुल हसन ने वसीम रिजवी का सिर काटककर लाने वाले को 11 लाख रुपए का इनाम देने का ऐलान किया है।

इसके पहले शियाने हैदर-ए कर्रार वेलफेयर एसोसिशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष हसनैन जाफरी डंपी ने कुछ ऐसा ही ऐलान किया था। शुक्रवार को जारी एक वीडियो संदेश में हसनैन जाफरी डंपी ने कहा था कि वह वसीम रिजवी के कृत्य की निंदा करते हैं। उन्होंने वसीम रिजवी के बहिष्कार के लिए पूरे प्रदेश में अभियान चलाने का भी आह्वान किया था। उन्होंने कहा था कि शिया समाज के जो लोग वसीम रिजवी को अपने घर कार्यक्रमों में बुलाएंगे, उन लोगों का भी बहिष्कार किया जाएगा।

डंपी ने सरकार से मुस्लिम समुदाय की आस्था पर चोट पहुंचाने के आरोप में वसीम रिजवी के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने और उन्हें तुरंत जेल भेजने की मांग की थी। उन्होंने कहा था कि वसीम रिजवी का काम उन्माद फैलाने वाला है। उधर, मौलाना खालिद रशीद ने भी यूपी सरकार से रिजवी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। मौलाना कल्बे जव्वाद ने कहा कि वसीम रिजवी यजीद का वंशज है।

कोरोना से ऐसे मिलेगी मुक्ति! रेलवे स्टेशन पर जांच नहीं, मुंबई से रोज बिहार आ रहे हजारों लोग

देश भर में कोरोना के मामले एक बार फिर से बढ़ने शुरू हो गए हैं। देश के जिन 10 शहरों में तेजी से कोरोना वायरस फैलने की रिपोर्ट दर्ज हो रही है, उनमें से आठ अकेले महाराष्ट्र के हैं। इसमें से मुंबई, पुणे, नागपुर, औरंगाबाद समेत अन्य शहर शामिल हैं। वही महाराष्ट्र से पटना जंक्शन, पाटलिपुत्र, किउल, समेत बिहार के अलग-अलग स्टेशनों पर दर्जनों ट्रेनें रोज पहुंच रही हैं।

इन ट्रेनों से मुंबई से हजारों रेल यात्री रोजाना बिहार आ रहे हैं लेकिन कोरोना वायरस रहे संक्रमण के बावजूद रेलवे प्रशासन और जिला प्रशासन की ओर से रेलवे स्टेशनों पर स्क्रीनिंग की व्यवस्था पूरी तरीके से बेपटरी हो चुकी है। पटना जंक्शन पर सहरसा से खुलकर पटना होते बांद्रा को जाने वाली स्पेशल ट्रेन के अलावा और रोजाना पटना से कुर्ला के लिए ट्रेन खुल रही हैं। वहीं, सप्ताह में दो दिन सुविधा एक्सप्रेस का भी परिचालन पटना जंक्शन से महाराष्ट्र के लिए किया जा रहा है। पाटलिपुत्र जंक्शन से भी रोजाना एक ट्रेन छत्रपति शिवाजी टर्मिनस के लिए खुल रही है। रोजाना यह ट्रेन छत्रपति शिवाजी टर्मिनस से पाटलिपुत्र भी पहुंच रही है। इसके अलावा दानापुर रेल मंडल में मुंबई और महाराष्ट्र होते कई ट्रेनें चलाई जा रही हैं।

दानापुर रेल मंडल से मिली जानकारी के अनुसार लोकमान्य तिलक टर्मिनल रक्सौल स्पेशल ट्रेन, लोकमान्य तिलक टर्मिनल किउल एक्सप्रेस, छत्रपति शिवाजी टर्मिनस आसनसोल एक्सप्रेस के अलावा लोकमान्य तिलक टर्मिनल भागलपुर सुपरफास्ट एक्सप्रेस के अलावा दानापुर रेल मंडल से कुल 13 जोड़ी ट्रेनें महाराष्ट्र के अलग-अलग शहरों में जा रही हैं और वहां से बिहार पहुंच रही हैं। इन ट्रेनों से रोजाना हजारों यात्री बिहार पहुंच रहे हैं। वहीं, पूर्व मध्य रेल के विभिन्न स्टेशनों से भी काफी संख्या में लोग बिहार आ रहे हैं और यहां से मुंबई जा रहे हैं। लेकिन यात्रियों के कोरोना वायरस स्क्रीनिंग की कोई व्यवस्था पूर्व मध्य रेल के स्टेशनों पर नहीं है। दानापुर रेल मंडल में पटना जंक्शन पर ऑटोमेटिक मशीन से जांच की व्यवस्था जरूर है लेकिन वह पूरी तरीके से भगवान भरोसे है। यात्रियों की स्क्रीनिंग नहीं होने से काफी संख्या में लोग संदेह के दायरे में भी राज्य के अलग-अलग हिस्सों में पहुंच रहे हैं। ऐसे में जब मुंबई समेत महाराष्ट्र में कोरोना का दूसरा दौर फिर से शुरू हुआ है, ऐसे में बिहार में भी करोना के प्रसार की संभावना बढ़ गई है।

कार सीखने के दौरान हादसा - पुलिया के नीचे गिरी अनियंत्रित कार, तीन की मौत

यूपी के सोनभद्र जिले में बड़ा हादसा हो गया। कार सीखने के दौरान अचानक कार अनियंत्रित हो गई और पुलिया के नीचे जा गिरी। जिससे कार के अंदर बैठे पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। तीन लोगों ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। जबकि दो घायल लोगों इलाज जारी है। हादसे के बाद परिवार में कोहराम मच गया है। पुलिस ने तीनों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

सोनभद्र जिले के चोपन थाना क्षेत्र के तेलगुड़वा मोड़ के पास वाराणसी-शक्तिनगर मार्ग पर शनिवार की दोपहर करीब डेढ़ बजे कार सवार पांच लोग घूमने निकले थे। बताते हें कि झारखंड के गढ़वा निवासी बसंत (26) अपनी कार से ससुराल तेलगुड़वा आए थे। दोपहर में वह कार लेकर कहीं निकले तो साला पिंकू (25) कार सीखने लगा।

गाड़ी में अश्वनी (28), प्रियांशु (20) और मिट्ठू भी सवार थे। पुलिस के अनुसार जैसे ही कार तेलगुड़वा मोड़ से करीब एक किलोमीटर आगे डाला की ओर पहुंचे थे तभी कार अनियंत्रित होकर पुलिया के नीचे खाईं में पलट गई।

कार पलटने से कार सवार पांच लोग बुरी तरह घायल हो गए। सभी घायलों को पास के चोपन सीएचसी अस्पताल में ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने बसंत, अश्वनी और प्रियांशु को मृत घोषित कर दिया।

यूपी पंचायत चुनाव को लेकर गांवों में उतरी बीजेपी की टीमें, जानिए कैसे चल रही इलेक्शन तैयारी

पंचायत चुनाव की तैयारियों के तहत प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष स्वतंत्र देव सहित भाजपा के अन्य नेता गांवों के दौरे पर हैं। ग्राम चौपालों के माध्यम से ये नेता केंद्र की मोदी सरकार और उत्तर प्रदेश की योगी सरकार की उपलब्धियां जनता के बीच पहुंचा रहे हैं। गांवों में घर-घर जनसंपर्क का अभियान भी तेज कर दिया गया है।

प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने 11 मार्च को इस ग्राम चौपाल अभियान की शुरुआत लखनऊ के गंगागंज से की थी। शुक्रवार को वह लखीमपुर के भीरा गांव में आयोजित चौपाल में शामिल हुए। 13 मार्च शनिवार को सीतापुर जिले के गांव गोलोकोडर रेऊसा में ग्राम चौपाल के माध्यम से गांव वालों से संवाद करेंगे। 18 मार्च तक भाजपा के बड़े नेता राज्य के सभी 58 हजार गांवों में चौपाल कर लेंगे। जिसे ध्यान में रखते हुए प्रतिदिन हर जिले के कई गांवों में ग्राम चौपाल का आयोजन किया जा रहा है।

भाजपा नेताओं का कहना है कि ग्राम चौपालों से बड़ी संख्या में ग्रामीम जुट रहे हैं। पार्टी पदाधिकारी, केन्द्र व प्रदेश सरकार के मंत्री, विधायक, सांसद, आयोगों व निगमों अध्यक्ष व सदस्य सहित पार्टी के वरिष्ठ नेता मोदी सरकार व योगी सरकार की योजनाओं के साथ पार्टी की अन्त्योदय विचारधारा को लेकर गांवों में भ्रमण कर रहे हैं। शनिवार 13 मार्च को उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य कुशीनगर जिले में तथा कैबिनेट मंत्री सूर्य प्रताप शाही देवरिया जिले में ग्राम चौपाल में शामिल होकर लोगों से संवाद करेंगे।

बिहार के 28 जिलों की भूजलस्तर की रिपोर्ट तैयार, 17 जिलों की स्थिति बेहतर, 9 जिलों में स्थिति खराब

बिहार में लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग (पीएचईडी) ने राज्य के 28 जिलों के भू-गर्भ जलस्तर की रिपोर्ट तैयार कराई है। यह रिपोर्ट बताती है कि वर्ष 2020 के 28 फरवरी के अनुपात में 2021 में इस तिथि को भू-गर्भ जल का स्तर 17 जिलों में बेहतर हुआ है। जबकि नौ जिलों में यह स्तर नीचे गया है। वहीं एक जिला सीतामढ़ी में जलस्तर बराबर है। इसको लेकर पीएचईडी ने सभी आवश्यक तैयारी करने का निर्देश जिलों को दिया है। पीएचईडी से मिली जानकारी के अनुसार सबसे अधिक सात फुट 10 इंच जलस्तर में वृद्धि नालंदा जिले के हिलसा में हुई है। यहां फरवरी 2020 में भू-गर्भ जल स्तर 37 फुट नीचे था, जो फरवरी 2021 में 30 फुट पर आ गया है। नालंदा को पीएचईडी ने दो प्रक्षेत्र में बांट कर रिपोर्ट तैयार करता है। हिलसा और बिहारशरीफ। बिहारशरीफ में तीन फुट आठ इंच की वृद्धि के साथ जलस्तर 28 फुट पर आ गया है। वहीं सबसे अधिक पांच फुट तीन इंच जलस्तर नीचे गया है बांका में। बांका में पिछले साल फरवरी अंत में जलस्तर 20 फुट चार इंच नीचे था जो इस साल 25 फुट सात इंच नीचे चला गया है। गया में साढ़े चार फुट, सारण में चार फुट दो इंच, मुजफ्फरपुर में चार फुट जलस्तर में पिछले साल की अपेक्षा वृद्धि हुई है। सीतामढ़ी में जलस्तर 12 फुट पांच इच पर इस बार भी स्थिर है।

श्रीराम भूमि ट्रस्ट अध्यक्ष महंत नृत्यगोपाल के शिष्य का गला रेता मिला शव, हत्या या आत्महत्या?

श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत नृत्यगाेपाल दास के शिष्य की संदिग्ध परिस्तिथियों में माैत हो गई। पुलिस जांच में जुटी है। मामला अयाेध्या काेतवाली के नयाघाट चाैकी क्षेत्र अंतर्गत मणिरामदास छावनी का है। जहां के संत निवास में शनिवार को साधु हरिभजन दास (50) चेला महंत नृत्यगाेपाल दास का गला धारदार हथियार से रेता हुआ था। साधु को पहले श्रीराम अस्पताल ले जाया गया। वहां से जिला हाॅस्पिटल के लिए रेफर किया गया जहां डाक्टराें ने मृत घाेषित किया।

फिलहाल यह बता पाना मुश्किल है कि यह हत्या है या आत्महत्या। यह जांच का विषय है। इस सम्बंध में क्षेत्राधिकारी अयोध्या राजेश कुमार राय ने बताया कि उन्हें सुबह मणिरामदास छावनी से सूचना मिली कि यहां के एक साधु ने धारदार हथियार से अपना गला रेत लिया है।

वह माैके पर पहुंचे। उन्हाेंने बताया कि जिला हास्पिटल ले जाते समय साधु हरिभजन दास की माैत हाे गई। वह हमेशा डिप्रेशन में रहता था। उसने सब्जी काटने वाले चाकू से अपना गला रेत लिया है। उसके कमरे में जमीन पर बहुत सारा खून और बगल में चाकू पड़ा था। इसी चाकू से उसने अपना गला रेता है। इसके अलावा कमरे में अन्य सामान अपने यथास्थान पर थे। उनसे किसी भी प्रकार का छेड़छाड़ नहीं किया गया है। इससे साफ पता चलता है कि साधु ने सुसाइड किया है। उसकी लाश काे पाेस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस की छानबीन जारी है।

मणिरामदास छावनी के उत्तराधिकारी महंत कमल नयन दास ने बताया कि मृतक साधु उनका गुरु भाई है। जाे मूल रूप दरभंगा का रहने वाला था। वह छावनी में 30 वर्षाें से निवास कर रहा था। उसका साेमनाथ, गुजरात में एक छाेटा सा मंदिर रहा जाे सड़क विस्तारीकरण में चला गया, जिसके कारण वह हमेशा डिप्रेशन में रहता था।

लव मैरिज करने वाली युवती ने पेड़ से लटक कर दी जान, जानें क्या है मामला

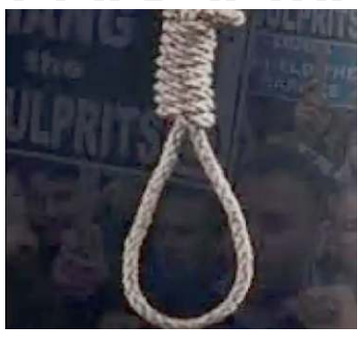

मेरठ के थाना फतेहपुर के गांव मांडुवाला में प्रेम विवाह करने वाली युवती ने ससुराल में फांसी लगाकर जान दे दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को फंदे से उतारा और पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया।

पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।आगरा के जैतपुर की रहने वाली पूजा की शादी मांडुवाला के अवनीश के साथ 2017 मे हुई थी। दोनों ने प्रेम विवाह किया था। गुरुवार की रात को मांडूवाला के जंगल मे पेड़ से लटक कर पूजा ने आत्महत्या कर ली। बताया जा रहा है कि पूजा और अवनीश के बीच बीते कई दिनों से विवाद चल रहा था। आत्महत्या की सूचना पाकर थाना फतेहपुर पुलिस मौके पर पहुंची।

पुलिस आत्महत्या के कारणों का पता लगा रही है।

पांच बिस्वा जमीन के लिए चचेरे भाइयों ने बुजुर्ग को पीट-पीट कर मार डाला

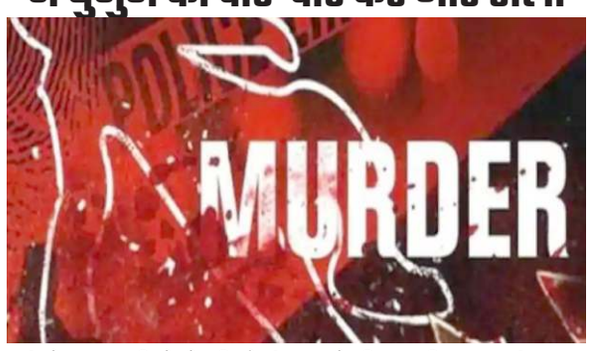

यूपी के बदायूं जिले के बिसौली कोतवाली क्षेत्र के एक गांव में केवल पांच बिस्वा जमीन के विवाद में 65 वर्षीय बुजुर्ग किसान की उसके चचेरे भाइयों ने लाठी डंडों से कथित रूप से पीट पीट कर हत्या कर दी। पुलिस ने इसकी जानकारी दी। पुलिस मामला दर्ज कर विधिक कार्यवाही कर रही है। पुलिस के अनुसार घटना को उस वक्त अंजाम दिया गया जब किसान जानवरों को चारा डालने गया था। मरने वाले किसान के पुत्र विक्रम ने पुलिस को दी गई तहरीर में आरोप लगाया है कि बिसौली कोतवाली के गांव दवतोरी निवासी उसके किसान पिता सत्यवीर (65) आज सुबह छह बजे जानवरों को चारा डालने गए थे, जहां उनके चचेरे भाइयो ने उन्हें घेर लिया और लाठी डंडे से पीट कर मौत के घाट उतार दिया। तहरीर में कहा गया है कि सतवीर का उसके चचेरे भाइयों से पांच बिस्वा जमीन को लेकर विवाद चल रहा था। घटना के बारे में अपर पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) सिद्धार्थ वर्मा ने कहा कि सत्यवीर की हत्या के मामले में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है साथ ही विधिक कार्यवाही की जा रही है।

एटा में थाने से बेच दी 1400 पेटी शराब, एसओ सहित दो सस्पेंड

एक साल में कोतवाली देहात थाने में रखी 1400 पेटी शराब पुलिसवालों ने ही बेच दी। केवल आठ मुकदमों की जांच के दौरान हुई तलाशी में यह शराब कम मिली है। करीब 10 घंटे चली जांच के बाद थाना प्रभारी और हेडमुंशी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करा, उन्हें सस्पेंड कर दिया गया है। इस मामले की जांच अलीगढ़ में तैनात आईपीएस विकास कुमार को दी गई है। इस कार्रवाई से जिले भर में हड़कंप है।

डीएम डॉ. विभा चहल को सूचना मिली कि पंचायत चुनाव के लिए थाने पर जो शस्त्र जमा कराए जा रहे हैं, उनकी संख्या सही नहीं है। जो आंकड़ा बताया जा रहा है, वास्तव में उसमें काफी अंतर है। इसके सत्यापन के लिए गुरुवार की शाम एडीएम वित्त एवं राजस्व केशव कुमार, एएसपी क्राइम राहुल कुमार पहुंच गए। दोनों अधिकारियों को जांच के दौरान जमा कराए गए शस्त्रों की संख्या बताई गई संख्या से 400 से कम मिली।

इसी समय पता चला कि थाने पर पकड़ी शराब भी बेच दी गई है। थाने पर अब तक बरामद हुई शराब के मुकदमों की जांच की गई। सिर्फ आठ मामलों की जांच में ही करीब 1400 पेटी शराब थाने से गायब मिली। अन्य मुकदमों की भी जांच की जा रही है। थाने पर मौजूद कर्मचारियों से इसकी जानकारी की गई, तो संतोषजनक जवाब नहीं मिला। इसके बाद ये जानकारी उच्चाधिकारियों तक पहुंचाई गई। ये जानकारी मिलते ही ही गुरुवार की रात में ही मंडलायुक्त गौरव दयाल, आईजी अलीगढ पीयूष मोर्डिया सहित तमाम अधिकारी थाने पर पहुंच गए। दिल्ली में दबिश देने गए थाना प्रभारी से फोन पर इस संबंध में जानकारी मांगी और उन्हें थाने पर बुलाया गया तो वो सुबह तक उपलब्ध नहीं हो सके। इस पर कोतवाली देहात के एसएसआई एनडी तिवारी की तहरीर पर मामले की एसओ इंद्रेश भदौरिया और हेड मुंशी विशाल सिंह के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करा दी गई।

डा. विभा चहल, डीएम एटा ने बताया कि थाना कोतवाली देहात में कार्रवाई की गई है। जिले भर के लोगों को मैसेज देना है। किसी भी प्रकार का कोई गलत काम बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इसके लिए अधिकारियों की टीम लगा दी गई है। सुनील कुमार सिंह, एसएसपी एटा बताते हैं कि थाना कोतवाली देहात में जांच के दौरान शराब गायब मिली है। इस मामले में रिपोर्ट दर्ज कर दोनों को सस्पेंड कर दिया गया है।

बिहार के सुपौल में एक ही परिवार के 5 लोगों ने की खुदकुशी, फंदे पर लटके मिले पति-पत्नी और बच्चों के शव

बिहार के सुपौल जिले में एक ही परिवार के पांच लोगों के शव फंदे पर लटके मिले। माता, पिता और तीन बच्चों की एक साथ अत्महत्या से इलाके के लोग सकते में हैं। आशंका जताई जा रही है कि आर्थिक तंगी से परेशान चल रहे परिवार ने आत्महत्या कर ली है, हालांकि पुलिस हर एंगल पर जांच कर रही है। भागलपुर से फोरेंसिक टीम पहुंच चुकी है। मौके पर आसपास के ग्रामीणों की भीड़ उमड़ पड़ी है। ग्रामीणों में तरह-तरह की चर्चाएं हो रही हैं।

जानकारी मुताबिक राघोपुर पंचायत के गद्दी वार्ड 12 के मिश्री लाल साह (50) के घर गंध आने पर ग्रामीणों ने इनकी सूचना मुखिया मो तस्लीम को दी। इसके बाद मुखिया सहित अन्य लोग घर कर बाहर के दरवाजे पर लगे ताले को तोड़कर अंदर घुसे। घर का एक कमरा भीतर से बंद था। लोगों ने खिड़की से देखा तो पांच लोगों का शव रस्सी के फंदे से लटक रहे थे।

मृतकों में मिश्री लाल साह उनकी पत्नी रेणु देवी 45 वर्ष, उनकी दो नाबालिग बेटी और एक बेटा शामिल है। लोगों ने मामले की जानकारी पुलिस को दी। घटना के बाद मौके पर एसपी मनोज कुमार, प्रशिक्षु डीएसपी सह थानाध्यक्ष सुशांत कुमार चंचल सहित डीएसपी रामानंद कौशल पहुंचे और घटनास्थल का जायजा लिया। पुलिस प्रथमदृष्टया इसे सामूहिक आत्महत्या का मामला मान रही है। हालांकि अबतक कारणों का पता नहीं चल पाया है। फोरेंसिंक टीम भी घटनास्थल पर पहुंचने वाली है। पुलिस अभी कुछ भी कहने से बच रही है। पुलिस के मुताबिक घटना खुदकुशी है या कुछ और ये जांच और फोरेंसिक रिपोर्ट आने के बाद ही कुछ कहा जा सकता है।

परिवार आर्थिक तंगी से गुजर रहा था

घटना के बारे में जो जानकारी निकल कर आ रही उसके अनुसार परिवार आर्थिक तंगी से गुजर रहा था। ग्रामीणों ने बताया कि पिछले शनिवार तक इस परिवार के लोगों को देखा गया था लेकिन उसके बाद से लोगों ने घर के किसी सदस्य को नहीं देखा। घटना से आसपास के लोग सकते में हैं।

स्थानीय लोगों ने बताया कि आर्थिक तंगी की वजह से गुजर बसर करने के लिए मिश्रीलाल साह ने अपनी पुश्तैनी जमीन बेच दी थी।

SPORTS खेल जगत

विजय हजारे ट्रॉफी फाइनल- उत्तर प्रदेश के सामने होगी पृथ्वी शॉ के तूफान को रोकने की चुनौती

उत्तर प्रदेश की टीम विजय हजारे ट्रॉफी के फाइनल में रविवार को उतरेगी तो उसका फोकस शानदार फॉर्म में चल रहे मुंबई के कप्तान पृथ्वी शॉ के बल्ले पर अंकुश लगाने पर रहेगा जिन पर नेशनल सिलेक्टर्स की भी नजरें होंगी। शॉ अभी तक टूर्नामेंट में 754 रन बना चुके हैं जिसमें नाबाद 105, नाबाद 227, नाबाद 185 और 165 रन शामिल हैं। रोहित शर्मा अगर रेस्ट लेते हैं तो इंग्लैंड के खिलाफ तीन वनडे मैचों की सीरीज में उन्हें मौका मिल सकता है।

अभी यह स्पष्ट नहीं है कि ऐसा होगा या नहीं लेकिन 21 साल के शॉ ने मैदान के भीतर और बाहर अपना सबक ले लिया है जिससे वह नेशनल वनडे चैम्पियनशिप में लगातार अच्छा प्रदर्शन करने में कामयाब रहे हैं। घरेलू सर्किट पर उनके प्रदर्शन का जवाब नहीं, लिहाजा नेशनल सिलेक्टर्स ज्यादा समय तक उनकी अनदेखी नहीं कर सकते। वहीं कोच ज्ञानेंद्र पांडे की उत्तर प्रदेश टीम ने युवा कप्तान करण शर्मा के मार्गदर्शन में शानदार प्रदर्शन किया है। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज यश दयाल फाइनल में अपनी इनस्विंगर से शॉ को परेशान करने की कोशिश करेंगे। शॉ के शानदार प्रदर्शन के कारण मुंबई के बाकी बल्लेबाजों को ज्यादा कुछ करना ही नहीं पड़ा लेकिन वे भी अपनी उपयोगिता साबित करना चाहेंगे।

विराट कोहली के जीरो पर आउट होने को लेकर बोले जोफ्रा आर्चर, टीम के लिए बताया रियल बोनस

पहले टी20 मैच में भारत की टीम को इंग्लैंड के हाथों 8 विकेट से हार का सामना करना पड़ा। कप्तान विराट कोहली का बल्ला टेस्ट सीरीज के बाद पहले मैच में भी खामोश रहा। विराट 5 गेदों को फेस करने के बाद बिना खाता खोले आदिल राशिद की गेंद पर आउट हुए। कोहली इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में भी दो दफा शून्य पर आउट हुए थे। इसी बीच, इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर ने विराट के जीरो पर आउट होने टीम के लिए बोनस रहा और उनके विकेट लेने के बाद इंग्लैंड मैच को पूरी तरह से डॉमिनेट कर सकी। पोस्ट मैच प्रेस कॉन्फ्रेंस में बात करते हुए जोफ्रा आर्चर ने कोहली के जीरो पर आउट होने को लेकर कहा, 'मै बहुत पसंद है जब कोई प्लान कामयाब होता है। राशिद एक वर्ल्ड क्लास बॉलर हैं और वह कही पर भी गेंदबाजी कर सकते हैं। कोहली यकीनन एक खतरनाक बल्लेबाज हैं और

उनको कई बार जल्दी पवेलियन भेजना एक रियल बोनस है। मुझे लगता है कि उनके विकेट ने भारतीय कैंप को बैकफुट पर ढकेल दिया।' आर्चर ने पहले टी20 मैच में शानदार गेंदबाजी करते हुए चार ओवर में महज 23 रन देकर तीन विकेट झटके। विराट कोहली चौथे टेस्ट की पहली पारी में भी जीरो पर आउट हुए थे और वह लगातार दूसरी पारी में बिना खाता खोले पवेलियन लौटे। विराट पिछले कुछ समय से अपनी फॉर्म से लगातार जूझ रहे हैं।

कोहली ने साल 2020 में एक भी शतक नहीं लगाया था और वह अपने सेंचुरी के सूखे को इसी साल भी अबतक खत्म नहीं कर सके हैं।

इंग्लैंड की टीम ने भारत को पहले टी20 में खेल के तीनों ही विभाग में चारों खाने चित किया।

वनडे सीरीज जीतने के बाद भावुक हुए कीरोन पोलार्ड, अंकल को डेडिकेट की जीत

वेस्टइंडीज ने श्रीलंका के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज में अजेय बढ़त बना ली है। वेस्टइंडीज के कप्तान कीरोन पोलार्ड ने दूसरे वनडे में मिली जीत का अपने दिवंगत चाचा को समर्पित किया। पोलार्ड के अंकल स्टीवन श्रीलंका के खिलाफ मैच से पहले ही गुजर गए थे। एविन लुईस के 103 और शाई होप के 84 रनों की बदौलत वेस्टइंडीज ने दूसरे वनडे में श्रीलंका को पांच विकेट से हरा दिया। इसके साथ ही टीम ने श्रीलंका के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज में 2-0 की बढ़त बना ली है।

पोलार्ड ने कहा कि हम टी-20 में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए थे।

खिलाड़ियों को जिम्मेदारी से खेलते हुए देखना अच्छा है। उन्होंने बल्लेबाजों के साथ गेंदबाजो की भी तारीफ की। उन्होंने कहा कि हमने सीरीज जीत ली है और हम देखेंगे कि क्या हम सीरीज 3-0 से जीत सकते हैं।

पोलार्ड ने आगे कहा कि आज एक व्यक्ति के तौर पर मेरे लिए क्रिकेट में सबसे कठिन दिन है।

जिस इंसान के चलते मैं आज क्रिकेट खेल रहा हूं, उन्हीं अंकल स्टीवन का आज सुबह निधन हो गया। मैं इस सीरीज में मिली जीत को आपको समर्पित करता हूं।

नरेंद्र मोदी स्टेडियम में दिखी फैंस की फौज तो भड़का पाक बॉलर, पूछा-कहां है कोरोना

12 मार्च को भारत और इंग्लैंड के बीच अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में पहली टी-20 खेला गया। इस मैच को देखने के लिए 67000 से ज्यादा दर्शक मैदान में पहुंचे। कोरोना महामारी की वजह से गुजरात क्रिकेट एसोसिएशन ने केवल टी-20 सीरीज में 50 फीसदी दर्शकों को ही स्टेडियम में एंट्री की परमिशन दी है। इसके बावजूद दुनिया के सबसे बड़े स्टेडियम में भारी तादात में दर्शक पहुंचे। पाकिस्तान के तेज गेंदबाज आमिर यामीन इतने दर्शक देखकर भड़क गए और उन्होंने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) पर कटाक्ष करते

हुए पूछा है कि कोरोना कहां है। नरेद्र मोदी स्टेडियम दुनिया का सबसे बड़ा स्टेडियम है और इसमें 1 लाख 10 हजार दर्शकों के बैठने की क्षमता है।

पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) में कराची किंग्स के लिए खेलने वाले यामीन ने बीसीसीआई पर निशाना साधा और ईएसपीएन क्रिकइन्फो के एक पोस्ट पर रिप्लाई करते हुए लिखा कि कोरोना कहां है? इस पोस्ट में बताया गया था कि स्टेडियम मैं मैच देखने के लिए 67,000 दर्शक पहुंचे थे। इस पोस्ट में बताया गया था कि स्टेडियम मैं मैच देखने के लिए 67,000 दर्शक पहुंचे थे।

इंग्लैंड से पहला टी20 मैच हारते ही भारत के नाम जुड़ा अनचाहा रिकॉर्ड

भारत और इंग्लैंड के बीच पहले खेले गए टी-20 मैच में भारत के नाम एक अनचाहा रिकॉर्ड जुड़ गया। भारत को शुक्रवार को खेले गए मैच में इंग्लैंड के हाथों 8 विकेट से करारी मात मिली। नवंबर 2019 के बाद पहली बार भारत को टी-20 मैच लगातार हार मिली है। साल 2020 में भारत एरोन फिंच की अगुवाई वाली ऑस्ट्रेलिया टीम के हाथों तीन मैचों की टी-सीरीज में आखिरी मैच हारा था। नवंबर 2019 में घर में मिली हार के बाद भारत दक्षिण अफ्रीका और बांग्लादेश के दौरे पर चला गया था। हार के बाद पोस्ट मैच प्रेजेंटेशन में विराट कोहली ने

कहा कि हमें इस पिच पर कैसे खेलना है, इसके बारे में ज्यादा जानकारी नहीं थी। ये हमारे लिए दिन अच्छा दिन नहीं था। हमें अपनी गलतियों को मानना होगा और अगले मैच में ज्यादा इरादे और स्पष्टता के साथ उतरना होगा। भारत ने टॉस हारने के बाद पहले बल्लेबाजी की। टीम इंडिया का टॉप आर्डर इंग्लिश बॉलरों के सामने ध्वस्त हो गया।

देश परदेश

कोरोना की वजह से महाराष्ट्र में फिर लौट रहे पाबंदियों के दिन, अब औरंगाबाद में कंप्लीट लॉकडाउन

कोरोना वायरस के बढ़ते मामलों ने एक बार फिर से महाराष्ट्र को बेहाल कर दिया है। संक्रमण की बढ़ती रफ्तार की वजह से एक बार फिर महाराष्ट्र में प्रतिबंधों यानी पाबंदियों वाले दिन लौटने लगे हैं। नागपुर, अकोला के बाद अब औरंगाबाद में भी कंप्लीट लॉकडाउन का ऐलान किया गया है। औरंगाबाद में वीकेंड में पूरी तरह से लॉकडाउन रहेगा। समाचार एजेंसी एएनआई ने कहा कि औरंगाबाद में शनिवार और रविवार को पूरी तरह से लॉकडाउन रहेगा। स्थानीय प्रशासन ने सख्ती से इस लॉकडाउन का पालन करने का आदेश जारी किया है। बता दें कि महाराष्ट्र में शुक्रवार को 15,817 नए मामले सामने आए। लगातार तीसरे दिन इस साल के अब तक

के सबसे अधिक मामले सामने आए। महाराष्ट्र में कोरोना संक्रमण की बढ़ती इस रफ्तार को देख प्रशासन एक बार फिर से लॉकडाउन की ओर जाता दिख रहा है। औरंगाबदा से पहले नागपुर और अकोला में पूरी तरह से लॉकडाउन है, वहीं पुणे, परभणी में नाइट कर्फ्यू का ऐलान किया गया है। हालांकि, महाराष्ट्र सरकार ने पहले ही संकेत दे दिए हैं कि अगर हालात नहीं संभले तो अन्य इलाकों में भी लॉकडाउन लागू किए जा सकते हैं। सरकारी आंकड़ों पर गौर करें तो राज्य में संक्रमण के कुल मामले बढ़कर 22,82,191 हो गए हैं, जबकि बीमारी के कारण 56 नई मौत होने के साथ मरने वालों की संख्या 52,723 तक पहुंच गई। राज्य में पिछली बार पिछले साल दो अक्टूबर को 15,000 से अधिक मामले आए थे, जिसके बाद नए मामलों में गिरावट आई थी।

अफगानिस्तान के हेरात में बम धमाका, कम से कम आठ की मौत, 47 घायल

अफगानिस्तान के पश्चिमी हेरात प्रांत में एक कार बम धमाके में कम से कम आठ लोगों की मौत हो गई जबकि 47 अन्य लोग घायल हुए हैं। प्रांत के अस्पताल के प्रवक्ता रफीक शेरजई ने शनिवार को बताया कि घायल हुए कुछ लोगों की हालत गंभीर है जिससे मृतक संख्या बढ़ने की आशंका हैं। इस विस्फोट में 14 घर भी क्षतिग्रस्त हो गए हैं।

अफगानिस्तान के गृह मंत्रालय के प्रवक्ता तारिक अरियान ने बताया कि मृतकों में एक बच्चा भी शामिल है, वहीं हमले में अफगान सुरक्षा बल के 11 कर्मी भी घायल हुए हैं। इस धमाके की अबतक किसी संगठन ने जिम्मेदारी नहीं ली है।

धमाके के कुछ घंटे के बाद ही संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) ने न्यूयॉर्क में एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर धमाके की निंदा की और कहा कि

अफगानिस्तान सरकार और तालिबान के बीच कतर में दोबारा बातचीत शुरू होने के बावजूद वहां आम नागरिकों को निशाना बनाकर किए जा रहे हमले 'खतरे की घंटी है।

परिषद ने कहा, ये जघन्य हमले प्रशासनिक एवं न्यायिक सेवा, मीडिया, स्वास्थ्य सेवा में कार्यकर्ताओं एवं मानवाधिकार कार्यकर्ताओं को निशाना बनाकर किए जा रहे हैं जिनमें अहम पद पर काबिज महिलाएं भी शामिल हैं एवं वे लोग भी शामिल हैं जो मानवाधिकारों, जातीय एवं धार्मिक अल्पसंख्यकों की रक्षा करने के लिए काम कर रहे हैं।

हर दिन 12 बार संघर्षविराम का उल्लंघन...सहमति से पहले ऐसी थी पाकिस्तान की करतूत

भारत के लिए पाकिस्तान एक ऐसा पड़ोसी मुल्क है जो लाख समझाने पर भी अपनी हरकतों से बाज नहीं आता। सीमा पर सीजफायर को लेकर भारत-पाकिस्तान के बीच हुए समझौते से पहले पाकिस्तान ने एक साल के दौरान सबसे अधिक बार सीजफायर का उल्लंघन किया है। हिंदुस्तान टाइम्स के मुताबिक, पाकिस्तान सेना ने फरवरी 2020 और फरवरी 2021 के बीच औसतन रोजाना कम से कम एक दर्जन बार सीजफायर का उल्लंघन किया। पाकिस्तान ने 2020 में 4,645 बार सीजफायर का उल्लंघन किया। अगस्त और सितंबर 2020 में सबसे ज्यादा उल्लंघन किया। इन दो महीनों के दौरान 5,100 से अधिक बार इंटरनेशनल सीमा पर सीजफायर का उल्लंघन किया, जो पिछले 17 सालों में सबसे अधिक है।

बता दें कि भारत और पाकिस्तान के बीच एक बार फिर से आपसी रिश्तों को सुधारने की पहल शुरू हुई है। भारत-पाकिस्ता ने नियंत्रण रेखा समेत अन्य क्षेत्रों में संघर्ष विराम संबंधी सभी समझौतों का सख्ती से पालन करने पर देर रात 24 फरवरी को सहमति जताई है। यह सहमति भारत-पाकिस्तान के सैन्य अभियान महानिदेशकों (DGMO) के बीच बातचीत के बाद बनी है।

पिछले साल 25 दिसंबर को दोनों देशों के बीच सीमा पर शांति बनाए रखने के लिए सहमति बनी थी। इसके साथ ही सभी समझौतों का सख्ती से पालन किए जाने को लेकर भी हामी भरी गई। इसमें 2003 के सीजफायर समझौते को नए सिरे से लागू करने पर सहमति बन गई है।

इसके तहत 24 फरवरी की मध्यरात्रि से दोनों देश नियंत्रण रेखा पर गोलीबारी बंद करेंगे और सीजफायर के लिए हुए पिछले समझौतों का पालन करेंगे। संयुक्त बयान यह भी कहा गया है कि दोनों पक्ष सभी समझौतों और LOC और अन्य सभी सेक्टरों पर सीजफायर का सख्ती से पालन करने पर भी सहमत हैं।

गौरतलब है कि, पाकिस्तान जम्मू-कश्मीर में आतंकवादियों की ताकझांक में मदद करने के लिए संघर्ष विराम उल्लंघन का सहारा लेता रहा है।

नई दिल्ली दौरे से पहले बोले ब्रिटेन के मंत्री- किसानों का मुद्दा पूरी तरह से भारत का मामला

ब्रिटेन के मंत्री लॉर्ड तारिक अहमद ने अपनी नई दिल्ली यात्रा से पहले शुक्रवार को कहा कि भारत ने एक लोकतंत्र के रूप में विरोध प्रदर्शन के अधिकार की गारंटी दी है और कृषि सुधारों को लेकर किसानों का विरोध प्रदर्शन एक ऐसा मुद्दा है जो पूरी तरह से भारत सरकार का मामला है।

गौरतलब है कि इस हफ्ते की शुरुआत में इस मुद्दे पर ब्रिटेन की संसदीय समिति के एक कक्ष में एक चर्चा आयोजित की गई थी जिसकी भारत ने किसी अन्य लोकतांत्रिक देश की राजनीति में "पूर्ण हस्तक्षेप बताकर निंदा की थी। यहां तक कि उस बैठक को लेकर मुलाकात करने के लिए विदेश सचिव हर्षवर्धन श्रृंगला ने ब्रिटिश उच्चायुक्त एलेक्स एलिस को बुलाया था।

ब्रिटेन के विदेश, राष्ट्रमंडल और विकास कार्यालय (एफसीडीओ) में भारतीय मामलों के राज्य मंत्री लॉर्ड अहमद सोमवार को अपनी पांच दिवसीय भारत यात्रा शुरू करेंगे। उन्होंने अपनी यात्रा से पहले यहां संवाददाताओं से बातचीत के दौरान कहा, "यह एक बहुत ही सौहार्दपूर्ण बैठक थी। यह पहली बार है जब वे विरोध के मुद्दे पर औपचारिक रूप से बैठक कर रहे थे और इस पर चर्चा की। भारत ने अपनी स्थिति स्पष्ट कर दी है, हमने यह बात भी दोहराई है कि बहस की संसदीय प्रणाली और हमारे संसदीय लोकतंत्र की प्रकृति ऐसी हो कि सरकार की स्थिति को भी स्पष्ट रूप से रखा जा सके।"

उन्होंने कहा कि विरोध प्रदर्शन कई महीनों से हो रहे हैं और लोकतंत्र के रूप में भारत ने पूरी तरह से विरोध के अधिकार की गारंटी दी है और इसे सुरक्षित किया है, जिसे हम पूरी तरह से स्वीकार करते हैं।

मैं पूरी तरह से स्पष्ट करता हूं कि विरोध प्रदर्शन का यह मामला पूरी तरह से भारत सरकार का मामला है।

इस यात्रा को ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन के आगामी दौरे के लिए कार्यक्रमों को अंतिम रूप देने के रूप में देखा जा रहा है, जो जून में कॉर्नवाल में जी7 शिखर सम्मेलन से पहले भारत का दौरा करने वाले हैं।

हिंदी फ़िल्म "पॉलिटिकल वुल्फ" का शानदार म्यूज़िकल मुहूर्त

निर्माता नाज़िम असार और सह निर्माता हरेश सांगाणी की हिंदी फ़िल्म "पॉलिटिकल वुल्फ" का भव्य मुहूर्त आज मुम्बई में स्थित कृष्णा रिकॉर्डिंग स्टूडियो में किया गया। ड्रीम लैंड स्टूडियो हाउस के बैनर तले बनने जा रही इस फ़िल्म के लेखक और निर्माता नाज़िम असार हैं जबकि इसके सह निर्माता हरेश सांगाणी हैं। पॉलिटिकल बैक ड्रॉप पर बेस्ड इस फ़िल्म के निर्देशक शिव दत्त शर्मा हैं। इस मुहूर्त के अवसर पर "वीरे की वेडिंग" फेम डायरेक्टर आशु त्रिखा, फ़िल्म टेक इट ईज़ी के निर्देशक सुनील प्रेम व्यास और प्रोड्यूसर राजेश चौहान मेहमान के रुप में मौजूद थे। शाहिद माल्या की आवाज़ में एक गीत की रिकॉर्डिंग से इस फ़िल्म की शुरुआत हुई। देश की राजनीति और मौजूदा हालात के मुद्दे पर बॉलीवुड में यह एक सशक्त फ़िल्म बनाई जा रही है। इस फ़िल्म का वर्ल्ड वाइड डिस्ट्रीब्यूशन और मार्केटिंग तृप्ति एंटरटेनमेंट कर रही है।फ़िल्म के निर्देशक शिवदत्त शर्मा ने बताया कि हालांकि फिल्म एक हार्ड हिटिंग सब्जेक्ट पर आधारित है मगर इसमे चार सिचुएशनल गाने भी हैं।फ़िल्म के लेखक और प्रोड्यूसर नाज़िम असार ने बताया कि आम लोगों की ज़िंदगी पर पॉलिटिक्स का क्या असर पड़ता है, इस फ़िल्म में यही दिखाया गया है।फ़िल्म के टाइटल और उसके सब्जेक्ट की वजह से यह फ़िल्म चर्चा का विषय बन गई है।

शाहिद कपूर स्टारर फ़िल्म मौसम का हिट गीत रब्बा मैं तो मर गया गाने वाले सिंगर शाहिद माल्या ने यहां गीत रिकॉर्ड करके मीडिया से बताया कि पॉलिटिकल वुल्फ फ़िल्म का आज मैंने बेहद खास गाना रिकॉर्ड किया है। इसकी कम्पोज़िशन अच्छी है और लोगो को ज़रूर पसन्द आएगा। इस फ़िल्म के मुहूर्त के वक्त निर्देशक आशु त्रिखा, फ़िल्म टेक इट ईज़ी के निर्देशक सुनील प्रेम व्यास और प्रोड्यूसर राजेश चौहान, सन्देश, सन्दीप जैसे मेहमान मौजूद रहे।इसके एग्जेक्युटिव प्रोड्यूसर वीरेंद्र प्रताप यादव, संगीतकार राजन खेरा, डीओपी सुबोध भगत, प्रोड्क्शन डिज़ाइनर प्रभात ठाकुर हैं। मीडिया मार्केटिंग प्राइम कम्युनिकेशन द्वारा की जा रही है। इस फ़िल्म का पीआरओ ई एम मीडिया ग्रुप है।

"लगान" ऐक्टर यशपाल शर्मा के हाथों संगीतकार राज वर्मा के 3 हिंदी म्यूज़िक अल्बम लॉन्च

लगान, गंगाजल, अपहरण जैसी फिल्मों में अभिनय का लोहा मनवा चुके यशपाल शर्मा ने आज मुम्बई में हुए एक शानदार इवेंट में संगीतकार राज वर्मा के 3 हिंदी म्यूज़िक अल्बम को लांच किया। कैसे कहें तुम से", मिले जब से" और "कह न पाए उनसे" नाम के यह 3 सांग रेड रिब्बन म्यूजिक कंपनी द्वारा रिलीज किए गए। तीनो गाने राज वर्मा एंड कम्पनी और डीकेपी फिल्स प्रोडक्शन द्वारा प्रेजेंट किए गए हैं। तीनो गीतों की प्रोड्यूसर मनीषा शिरोले और डायरेक्टर मनीष केपी यादव हैं। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद यशपाल शर्मा ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि मैंने यह तीनों गीत सुने हैं मुझे बेहद अच्छे लगे। इनके वीडियो भी कमाल के बने हैं। राज वर्मा ने इन्हें ख़ूबसुरती से कमपोज़ किया है। मनीषा शिरोले ने इन गीतों को बहुत अच्छे से लिखा है जो इस एल्बम की प्रोड्यूसर भी हैं। वीडियो में कलाकारों ने शानदार काम किया है और लोकेशन भी काफी आकर्षक है। मैं इन तीनो गीतों की पुरी टीम को बधाई देता हूँ।" आपको बता दें कि पहला गीत है "कैसे कहें तुम से"। इसके वीडियो में देवा और रूबल कौर फीचर कर रहे हैं और सिंगर नाज़िम अली हैं। दूसरे गीत "मिले जब से" में देवा और मनिष्का सिंह फीचर कर रहे हैं, सिंगर गुल सक्सेना हैं। तीसरे गीत "कह न पाए उनसे" में देवा और आलिया खान फीचर कर रहे हैं। सिंगर गुल सक्सेना, साजन मिश्रा हैं। और तीनो एल्बम में म्यूजिक दिया है संगीतकार राज वर्मा ने, और गीत लिखा है गीतकार मनीषा शिरोले ने, कोरिओग्राफर राजू रॉय, डीओपी पप्पू शेट्टी, एग्जेक्युटिव प्रोड्यूसर बीरेंद्र कुमार लोध हैं। इस लॉन्च के अवसर पर सिंगर नाज़िम अली ने कहा कि मनीषा शिरोले जी ने बहुत अच्छा अल्बम प्रोड्यूस किया है जबकि राज वर्मा ने इसकी धुन शानदार बनाई है। इस अवसर पर रेड रिबन की लालित्य मुंशॉ भी मौजूद थीं। राज वर्मा ने बताया कि तीनों गीत जबरदस्त शूट किए गए हैं और श्रोताओं और दशकों को अवश्य पसन्द आएंगे।

दीपिका पादुकोण संग रणवीर सिंह ने शेयर की सेल्फी, कैप्शन में लिखी अजीबोगरीब बात

बॉलीवुड की मशहूर जोड़ी रणवीर सिंह और दीपिका पादुकोण की एक फोटो सोशल मीडिया पर खूब देखी जा रही है। इस फोटो को रणवीर ने इंस्टाग्राम पर शेयर करते हुए लिखा "पी-आ-बू" (peek-a-boo) रणवीर इस कैप्शन के जरिए क्या कहना चाह रहे हैं ये बात दीपिका ही समझ सकती हैं। क्योंकि अक्सर ये दोनों एक दूसरे से अपने प्यार का इजहार कुछ यूनिक तो कुछ फनी अंदाज में करते रहते हैं। फिलहाल इस लेटेस्ट फोटो की बात करें तो इसे देखकर लगा रहा है ये दोनों शूटिंग शेड्यूल से समय निकालकर अपना स्पेशल टाइम स्पेंड कर रहे हैं। इन दोनों की ये फोटो कहां की है इस बारें रणबीर ने कुछ नहीं लिखा है। हालांकि फोटो देखकर लग रहा है कि ये दोनों जहां वहां काफी ठंड पड़ रही है।

सामने आई इस फोटो में रणवीर ग्रीन हाई नेक टी-शर्ट पर ग्रे कैप लगा रखा है। वहीं ब्लैक गॉगल लगाकर अपना लुक पूरा किया है। दीपिका ग्रे ओवर कोट पर ब्लैक कैप कैरी की हुई दिख रही हैं। फोटो में दोनों का एक्सप्रेशन काफी मस्त लग रहा है।

रणवीर ने दीपिका की इस लेटेस्ट फोटो पर उनके फैन्स फायर इमोजी और हर्ट वाली इमोजी बनाकर तारीफ कर रहे हैं।

रणवीर-दीपिका की आने वाली फिल्म

रणवीर-दीपिका के काम की बात करें तो दोनों जल्दी ही फिल्म 83 में एक साथ नजर आएंगे। फिल्म में रणवीर सिंह, कपिल देव का किरदार निभाते दिखेंगे तो वहीं दीपिका, कपिल देव की पत्नी के किरदार में दिखेंगे।

इसके अलावा रणवीर सिंह, रोहित शेट्टी के साथ फिल्म सर्कस में भी नजर आएंगे। वहीं फिल्म जयेशभाई जोरदार और सूर्यवंशी भी रणवीर की अपकमिंग फिल्मों की लिस्ट में शुमार है। हालांकि सूर्यवंशी में रणवीर का कैमियो होगा।

बॉलीवुड में बढ़े कोरोना के मामले, तारा सुतारिया को भी कोरोना होने की खबर

बॉलीवुड में एक बार फिर कोरोना के मामले बढ़ते जा रहे हैं। रणबीर कपूर, संजय लीला भंसाली और मनोज बाजपेयी के बाद अब तारा सुतारिया को कोरोना होने की खबर आ रही है। इस बारे में ऑफिशल कन्फर्मेशन नहीं मिला है लेकिन रिपोर्ट्स हैं कि उनका कोविड टेस्ट पॉजिटिव है।

इन सिलेब्स को भी हुआ कोरोना

तारा सुतारिया सुनील शेट्टी के बेटे अहान के साथ 'तड़प' की शूटिंग कर रही थीं।

उनका शेड्यूल हाल ही में पूरा हुआ है। इस बीच उनको कोरोना होने की खबरें आ रही हैं। इससे पहले रणबीर कपूर को कोरोना हो चुका है। इसके बाद संजय लीला भंसाली और मनोज बाजपेयी की भी कोविड रिपोर्ट्स पॉजिटिव आई हैं। फिल्मफेयर की रिपोर्ट के मुताबिक, तारा का कोरोना टेस्ट पॉजिटिव है।

आलिया ने की काम पर वापसी

रणबीर को कोरोना होने के बाद आलिया भट्ट ने भी अपना कोरोना टेस्ट करवाया था। उनका टेस्ट नेगेटिव था। कुछ दिन आइसोलेट रहने के बाद वह काम पर वापस लौट चुकी हैं। शिवरात्रि पर आलिया को मंदिर में भी देखा गया था।

अली गोनी के भाई अर्सलान को डेट कर रही हैं ऋतिक रोशन की एक्स वाइफ सुजैन खान?

बॉलीवुड एक्टर ऋतिक रोशन की एक्स वाइफ सुजैन खान के बारे में चर्चा है कि वह 'बिग बॉस 14' फेम अली गोनी के बड़े भाई अर्सलान गोनी को डेट कर रही हैं। सुजैन की ऋतिक से शादी साल 2000 में हुई थी और दोनों के दो बच्चे भी हैं, जिनके नाम- रिद्धान और रिहान है। दोनों ने साल 2013 में शादी के 14 साल के बाद तलाक ले लिया था।

तलाक के बाद भी सुजैन और ऋतिक रोशन कई बार एक साथ देखे गए हैं।

दोनों अपने बच्चों के सपोर्ट के लिए साथ भी रहे। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो सुजैन का नाम अब अली गोनी के भाई अर्सलान संग जोड़ा जा रहा है। अर्सलान एक एक्टर हैं।

पिंकविला की रिपोर्ट के अनुसार, पिछले कुछ समय में अर्सलान और सुजैन की करीबी बढ़ती जा रही हैं। सूत्र ने पिंकविला को

बताया कि दोनों कई बार एक साथ हैंगआउट भी करते हैं। सूत्र ने कहा, ''दोनों एक-दूसरे को छह महीने से ज्यादा समय से जानते हैं। टीवी की दुनिया के एक कॉमन दोस्त के जरिए दोनों की मुलाकात हुई थी, लेकिन कुछ ही समय में वे दोनों करीब आ गए।

'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' की पुरानी सोनू हैं एक बेहतरीन सिंगर, शेयर किए कई वीडियोज

टीवी शो 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' लंबे समय से काफी पसंद किया जाता रहा है। बड़ी संख्या में शो के फैन्स हैं। इसी शो का हिस्सा छह सालों तक सोनू उर्फ निधि भानुशाली रहीं, जिन्होंने छह साल तक रोल निभाने के बाद आगे की पढ़ाई के लिए शो का छोड़ दिया था। एक्ट्रेस ने अपनी एक्टिंग के बलबूते पर लाखों फैन्स को एंटरटेन किया, लेकिन काफी कम ही लोग उनकी अलग-अलग पैशन और परफॉर्मेंस के बारे में जानते होंगे। वह एक शानदार सिंगर भी हैं और सोशल मीडिया अकाउंट्स पर इसके वीडियोज शेयर भी करती रहती हैं।

उन्होंने हाल ही में इंस्टाग्राम पर गाना गाते हुए वीडियो शेयर किया है। इसमें वह अपनी एक दोस्त के साथ एमी वाइनहाउस के गाने 'वाई डॉन्ट यू कम ऑन ओवर' गाते हुए दिखाई दे रही हैं। गाना गाते हुए उनकी आवाज काफी अच्छी लग रही है। निधि ने सॉन्ग के कैप्शन में लिखा है कि क्या आप विश्वास कर सकते हैं कि गाने को गाते हुए मैंने ड्रिंक नहीं की हुई थी। बेटर सॉन्ग एक्सपीरियंस के लिए ईयरफोन का इस्तेमाल करें।

निधि ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर गाने गाते हुए कई और वीडियो शेयर किए हैं, जिसमें उनकी आवाज सुनकर लगता है कि वाकई वह किसी प्रोफेशनल सिंगर से कम नहीं हैं। वह इन वीडियोज में हिंदी और इंग्लिश, दोनों ही सॉन्ग्स गाते हुए दिख रही हैं।

बता दें कि एक्ट्रेस हाल ही में अपनी बिकिनी फोटोज के लिए लाइमलाइट में आई थीं। इन फोटोज को लेकर ईटाइम्स टीवी से बात करते हुए निधि ने कहा था कि यह मेरी लाइफ है। मैं जो करती हूं, उसकी फोटोज डाल देती हैं। जैसे सभी बाकी लोग करते हैं, मैं भी वैसे ही करती हूं। मैं अचानक ट्रेंड होने लगी, लेकिन यह फनी है क्योंकि आज के समय में इसके अलावा भी बात करने के लिए कई जरूरी बातें हैं। उन्होंने आगे कहा था कि देश में काफी कुछ हो रहा है, लेकिन इसके बावजूद भी लोगों को मेरी बिकिनी फोटोज पर बात करने के लिए समय मिल जाता है।

पहले दिन से कम रहा 'रुही' के दूसरे दिन का कलेक्शन

11 मार्च को राजकुमार राव (Rajkummar Rao), जाह्नवी कपूर (Janhvi Kapoor) और वरुण शर्मा (Varun Sharma) की हॉरर-कॉमेडी फिल्म रूही (Roohi) ने सिनेमाघरों में दस्तक दी थी। कोविड की वजह से लंबे वक्त के बाद कोई नई फिल्म थिएटर में रिलीज हुई है। वहीं फिल्म को क्रिटिक्स से ठीक ठाक रिव्यूज और दर्शकों का भी ठीक ठाक रिस्पॉन्स मिल रहा है। ऐसे में आपको बताते हैं रूही का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन

कुल 5.31 करोड़ का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन

रूही ने दूसरे दिन 2.25 करोड़ रुपये का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन किया है। हालांकि कहा जा रहा है कि वर्किंग डे होने की वजह से कम लोग सिनेमाघरों में पहुंच पाएं। वहीं शनिवार और रविवार को फिल्म को अच्छे दर्शक मिल सकते हैं। याद दिला दें कि रूही ने पहले दिन 3.06 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था।

यानी फिल्म अभी तक कुल 5.31 करोड़ रुपये का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन कर चुकी है।

क्या है 'रूही' की कहानी

बता दें कि रूही में एक छोटे कस्बे के दो दोस्त भंवरा पांडेय (राजकुमार राव) और कतन्नी (वरुण शर्मा), रूही (जाह्नवी कपूर) के चक्कर में फंस जाते हैं। दोनों जर्नलिस्ट बने हैं और पार्टटाइम किडनैपिंग करते हैं। 'पकड़वा विवाह' के लिए होने वाला एक दूल्हा उन्हें रूही को किडनैप करने के लिए हायर करता है। दोनों को देखने में तो रूही साधारण लड़की लगती है लेकिन बाद में पता चलता है कि उसकी उस पर अफजा की आत्मा ने कब्जा किया है।

जब हिना खान ने उठाए थे गौहर खान की फैन फॉलोइंग पर सवाल, कहा था- मेरे आधे का आधा भी नहीं

टीवी एक्टर, अब बॉलीवुड एक्टर हिना खान को इंडस्ट्री में कदम रखे 10 साल से भी ज्यादा हो चुके हैं। सलमान खान के शो 'बिग बॉस' से हिना खान काफी मशहूर हुई थीं। 33 साल की हिना खान फिनाले तक पहुंची थीं और शिल्पा शिंडे को इन्होंने कड़ी टक्कर दी थी। अपनी जर्नी के दौरान हिना खान कई सेलेब को टारगेट कर चुकी हैं। उनके बारे में कई कॉन्ट्रोवर्शियल चीजें बोल चुकी हैं।

शो के एक एपिसोड के दौरान हिना खान ने एक्ट्रेस गौहर खान के लिए कुछ ऐसी बातें कही थीं कि गौहर ने ट्वीट कर हिना का बिना नाम लिए निशाना साधा था। एर्शी खान से बात करते हुए हिना खान ने कहा था कि गौहर की फैन फॉलोइंग, उनकी फैन फॉलोइंग से आधी भी नहीं है। बेडरूम में हिना खान कहती सुनाई दी थी कि बहुत कम हैं। अर्शी ने कहा, किसके? हिना बोलीं कि गौहर के बहुत कम फॉलोअर्स हैं। इस बीच विकास गुप्ता आए और कहा कि गौहर सोशल मीडिया पर बहुत कम एक्टिव रहती हैं, इसलिए ऐसा होगा।

हिना ने कहा था कि मैं भी कम एक्टिव रहती हूं सोशल मीडिया पर, लेकिन मेरे आधे का आधा भी नहीं है उसके।

एपिसोड देखने के बाद गौहर खान ने ट्वीट कर लिखा था कि अच्छाई और तमीज तो सीखी नहीं, मैथ करना सीखा होता तो आज झूठे घमंड में आकर कही गई बात पर लोग इतना हंसते नहीं।

अल्लाह सबको तरक्की दे। आमीन। घमंड ने आज तक किसी का भला नहीं किया, साक्षी तंवर आप खुबसूरत हैं।

आखिरकार हो गया बड़ा ऐलान, जानें कब रिलीज होगी सलमान खान की फिल्म 'राधे: योर मोस्ट वांटेड भाई'

बॉलीवुड के हैंडसम हंक अभिनेता सलमान खान की फिल्म 'राधे: योर मोस्ट वांटेड भाई' की रिलीज डेट का लंबे वक्त से फैन्स को इंतजार था और आखिरकार सलमान खान ने एक दमदार पोस्टर शेयर करने के साथ ही 'राधे: योर मोस्ट वांटेड भाई' की रिलीज डेट का भी ऐलान कर दिया है।

13 मई, 2021 को रिलीज होगी फिल्म

सलमान खान ने फिल्म का एक पोस्टर साझा करते हुए बताया है कि फिल्म 13 मई, 2021 को रिलीज होगी। सलमान खान ने कैप्शन में लिखा- 'ईद का कमिटमेंट किया था, ईद पर ही आएंगे, क्योंकि एक बार जो मैंने...'। इस कैप्शन के साथ में सलमान खान ने हैशटैग का भी इस्तेमाल किया है।

प्रभु देवा हैं निर्देशक

बता दें कि सलमान खान की फिल्में एक्शन, ड्रामा, एंटरटेनमेंट का फुल डोज कही जाती हैं और दर्शकों को राधे: योर मोस्ट वांटेड भाई के साथ बड़े पर्दे पर उनके आने का बेसब्री से इंतजार है। प्रभु देवा द्वारा निर्देशित, एक्शन-ड्रामा 2021 की सबसे प्रतीक्षित फिल्मों में से एक है और फिल्म के नए पोस्टर ने फैन्स को अधिक उत्साहित कर दिया है। फिल्म की रिलीज में ठीक दो महीने का वक़्त बचा है।

कैसा है पोस्टर

जलते हुए हेलीकाप्टर और युद्ध के मैदान के बैकग्राउंड के साथ, सलमान खान दमदार फिजीक में पहले से कहीं ज्यादा हॉट दिखाई दे रहे है। पोस्टर में एक क्लासिक सलमान खान के सभी एलिमेंट्स मौजूद हैं और यह एक बड़ी एंटरटेनर होने का वादा करती है। फिल्म के पोस्टर से साफ है कि राधे में जोरदार एक्शन का डोज दर्शकों को मिलेगा।

फैन्स के लिए परफेक्ट ईदी

फिल्म के बारे में बात करते हुए जी स्टूडियो के सीबीओ शारिक पटेल ने कहा,

'हम सलमान खान की इस फिल्म के माध्यम से सिनेमाघरों में दर्शकों को वापस लाने के लिए उत्साहित हैं क्योंकि उनकी फिल्में उत्सव का माहौल बनाती हैं। यह 2021 की सबसे बड़ी फिल्म होगी और हम दर्शकों का समर्थन/प्रतिक्रिया देखने के लिए उत्सुक हैं। मुझे यकीन है कि कठिन वर्ष के बाद यह प्रशंसकों के लिए खुशी का मौका होगा।

राधे: योर मोस्ट वांटेड भाई, सलमान प्रशंसकों और सिनेमा प्रेमियों के लिए एकदम परफ़ेक्ट ईद होगी।'

डिजाइन प्रतियोगिता समाधान खोजने के लिए एक शक्तिशाली उपकरण।

आर्किटेक्ट धीरज सल्होत्रा
(प्रधान अध्यापक)
ठाकुर स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर एंड प्लानिंग, मुंबई

आर्किटेक्ट सबसे उपयुक्त डिजाइन समाधान प्रदान करने के लिए प्रतिबद्धहैं। सभी शहरी और वास्तुकला मुद्दों को अलग-अलग प्राथमिकताओं के साथ कई दृष्टिकोण से देखा जा सकता है और समस्या को हल करने के कई तरीके हो सकते हैं। एक रचनात्मक पेशा होने के नाते अवधारणाएँ उद्योग में विभिन्न प्रकार की विशेषज्ञता और विकास से नएआदानों के साथ विकसित होती रहती हैं। हर बड़ी परियोजना एक चुनौती है और डिजाइन समाधान प्रदान करने के लिए सबसे उपयुक्त टीम ढूंढना एक कठिन काम है। पेशेवर निकाय के रूप में वास्तुकला परिषद, आचार संहिता निर्धारित करती है और सर्वोत्तम समाधान सुनिश्चित करने के लिए निष्पक्ष प्रतियोगिताओं के संचालन पर दिशानिर्देश प्रदान करती है।ये दिशा-निर्देश प्रमोटर और प्रतियोगी दोनों के हित में तैयार किए गए हैं और यह सुनिश्चित करने के लिए डिजाइन का चयन अकेले मेरिट पर होगा और प्रमोटर की आवश्यकताओं को पूरा करेगा। प्रतिस्पर्धा से क्षमता आती है। आर्किटेक्ट्स को मजबूत पाठ्यक्रम के माध्यम से प्रतिस्पर्धी माहौल में काम करने के लिए प्रशिक्षित किया जाता है। डिज़ाइन प्रतियोगिताओं में भाग लेकर राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्लेटफार्मों पर कई शीर्ष आर्किटेक्ट्स के उदाहरण हैं। रचनात्मक क्षेत्र में पेशेवर विकास के साथ-साथ सामाजिक वातावरण के प्रति संवेदनशील हैं। आर्किटेक्ट्स के प्रतिस्पर्धी कार्य सामाजिक चिंताओं और समय की आवश्यकता के प्रति प्रतिक्रिया के रूप में आधारित हैं। आर्किटेक्चर के छात्रों के लिए विभिन्न प्रकार की वास्तुकला प्रतियोगिताओं में भाग लेने के बहुत सारे अवसर हैं। प्रतियोगिताओं की श्रेणी में उत्पाद, फर्नीचर, संलग्न और परिदृश्य स्थानों के लिए अवधारणा डिजाइन, वास्तुशिल्प परियोजनाएं, शहरी हस्तक्षेप, प्रयोगात्मक परियोजनाएं आदि शामिल हैं।

व्यक्तिगत रूप से या टीमों में विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेने से छात्र की रचनात्मकता का विकास होता है और शैक्षणिक पाठ्यक्रम से परे प्रथाओं के संपर्क में वृद्धि होती है। छात्रों के स्तर पर प्रतिस्पर्धात्मक डिजाइन की संस्कृति को समयबद्ध डिजाइन प्रतियोगिताओं के संचालन द्वारा वरीयता दी जाती है जिसे एस- की कहा जाता है।

समूहों में काम करना, पीयर लर्निंग कार्यप्रणाली का एक हिस्सा है ।वास्तुकला शिक्षा का पाठ्यक्रम इस प्रकार, कार्य की उच्च गुणवत्ता उत्पादन करने के लिए निहित है। विभिन्न प्रतियोगिताओं में वास्तुकला छात्रों की भागीदारी अधिकांश वास्तुकला संस्थानों द्वारा की जाने वाली संस्कृति है। इसके अलावा एक राष्ट्रीय सहयोगी संस्था जिसे नासा (आर्किटेक्चर के छात्रों का राष्ट्रीय संघ) कहा जाता है, जोनल और राष्ट्रीय स्तर पर प्रतियोगिताएं आयोजित करती है जो सभी वास्तु संस्थानों को एक प्रतिस्पर्धी स्तर पर जोड़ती है।

वास्तुकला में, डिजिटलीकरण ने पूरी दुनिया को एक साथ लाया है और ई-संसाधनों पर जानकारी साझा करने के

अवसरों का एक पैंडोरा बॉक्स उपलब्ध है। इन प्रतियोगिताओं की घोषणा वेबसाइटों पर की जाती है और साथ ही

विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से प्रचारित की जाती है। प्रतियोगिताओं में प्रतिभागियों को बायोडाटा बनाने में मदद करने वाले भागीदारी प्रमाण पत्र प्रदान करते हैं। डिजाइन और सहायक सेवाएं प्रदान करने में शामिल भवन निर्माण उद्योग, वर्तमान में उन प्रतियोगिताओं को बढ़ावा देने में सक्रिय रुचि ले रहा है, जो विचार पीढ़ी के लिए हैं और उन्हें भविष्य के विकास की दिशा प्रदान करती हैं। यदि आप एक प्रवर्तक या वास्तुकला के छात्र हैं या अभिनव विचारों की तलाश कर रहे हैं, तो डिजाइन प्रतियोगिताओं के वेबपृष्ठ नवीन विचारों और समाधानों की तलाश के लिए एक उपजाऊ स्थान है। अधिक जानकारी के लिए आप वास्तुकला की परिषद की वेबसाइट (coa.gov.in/), या (nasaindia.co/) और (tsapmumbai.in/) पर जा सकते है.

पूज्य मोरारी बापू की निश्रा में पद्मश्री कवि काग बापु ट्रस्ट द्वारा कागोत्सव का आयोजन

सौराष्ट्र के सुप्रसिद्ध चारण कवि, पद्मश्री दुला भाया काग काग की ४४वीं पुण्यतिथि पर, उन की जन्मभूमि और कर्मभूमि काग धाम - मजादर गांव - में पूज्य मोरारी बापू की निश्रा में १७ मार्च को "काग उत्सव" मनाया जाएगा। मोरारी बापू की प्रेरणा से ही - २००२ से, इस त्रिविध कार्यक्रम का आयोजन आरंभ हुआ। कवि काग बापु की वंदना के लिए, प्रति वर्ष फाल्गुन मास की शुक्ल चतुर्थी - उन की पुण्यतिथि- पर इस कार्यक्रम का आयोजन होता है। सबसे पहले - दोपहर के भोजन के पश्चात्- कवि काग जहां रहते थे, उसी निवास स्थान के सामने - गांव के रामजी मंदिर के मैदान में, दोपहर तीन बजे से छह बजे तक प्रवचन माला के १७ वें सोपान आरंभ होगा। जिसमें लोक साहित्य- चारणी साहित्य के दो विद्वान काग बापू के जीवन - कवन के संदर्भ में वक्तव्य देते है। इस साल गुजरात के सुप्रसिद्ध एवं वरिष्ठ लोक साहित्यकार पद्मश्री भीखुदानभाइ गढवी और सुप्रसिद्ध हास्यकार सर्वश्री शाहबुद्दीनभाइ राठौड़, कवि काग और काग साहित्य के संदर्भ में अपने विचार प्रस्तुत करेंगे। कार्यक्रम का संचालन शिक्षावीद् श्री बलवंत जानी करेंगे। तत्पश्चात् मोरारीबापू भी अपने वक्तव्य से कागबापु की शब्द-वंदना करेंगे। कार्यक्रम का दूसरा हिस्सा, सायं काल के भोजन के बाद रात नव बजे से - उसी स्थान पर आरंभ होगा। जिन्होंने अपने जीवन काल में लोक साहित्य की किसी भी धारा में अपना योगदान दिया हो, ऐसे लोक साहित्य- चारणी साहित्य के दो दिवंगत महानुभाव की "काग एवॉर्ड" से वंदना की जाएगी।

इस साल २०२१ का यह सन्मान स्वर्गीय श्री गीगा भाई बारोट और स्वर्गीय श्री मनु भाई गढवी को दिया जा रहा है। दोनों दिवंगत महानुभाव की ओर से उसके परिवार-जन, इस एवार्ड के रूप में दी जा रही श्रद्धांजलि का स्वीकार करेंगे।

इसके अलावा, वर्तमान समय के चार महानुभाव को - अपने अपने क्षेत्र में योगदान के लिए - इस एवॉर्ड से विभूषित किये जाएंगे।

लोक साहित्य-संशोधन के लिए सर्व श्री बलवंत जानी को, चारणी साहित्य के गायन और कथन के लिए श्री योगेश बक्षा को, लोक साहित्य के गायन के लिए सुश्री काशीबेन गोहिल को और राजस्थानी चारणी साहित्य में अपने प्रदान के लिए राजस्थान के सर्वश्री नाहर सिंह जसोल को काग एवॉर्ड से विभूषित किए जाएंगे।सभी सन्मानित महानुभाव को सूत्र माला शॉल, प्रशस्ति पत्र एवं ५०, ००० रुपए की धनराशि से सम्मानितन किए जाएंगे। एवॉर्ड प्रदान करने के बाद

पूज्य मोरारी बापू प्रासंगिक आशीर्वादक उद्बोधन करेंगे। कार्यक्रम के तीसरे चरण का आरंभ होगा। जिसमें कच्छ- काठियावाड़-गुजरात के बहुत सारे नामी - अनामी लोक कलाकार कवि काग के रचे हुए लोकगीत- भजन- दोहा - छंद - चारणी साहित्य की प्रस्तुति करेंगे। पूज्य बापू भी लोक कलाकारों को प्रोत्साहित करने के लिए कार्यक्रम में उपस्थित रहेंगे। इस साल काग बापू की ४४ मी पूर्ण तिथि है। २००२ से आरंभ हुई एवॉर्ड प्रदान करने की श्रंखला में, यह २० वां समारंभ है। लोक साहित्य के क्षेत्र में "पद्मश्री कवि कागबापु ट्रस्ट" द्वारा, पूज्य मोरारी बापू के वरद एवं पावन कर कमल से दिये जाने वाला यह बहुत ही प्रतिष्ठित सन्मान माना जाता है। मोरारी बापू से आरंभ हुई और आपकी निश्रा में ही संपन्न हो रही, लोकधारा की इस पवित्र गंगा में श्रवण-गान करने हेतु राज्य के बहुत सारे कलाकार, मर्मज्ञ और कलारसिक श्रोता उपस्थित रहते है। काग परिवार से, काग बापु के पौत्र श्री बाबुभाइ और उनका परिवार सौराष्ट्र की आतिथ्य भावना का भली भांति निर्वहन करते है।

विद्या विकास एजुकेशन ट्रस्ट द्वारा आयोजित तीसरा समूह लगन समारोह 21 मार्च 2021 शुभआरंभ होगा

विद्या विकास एजुकेशन ट्रस्ट के संस्थापक श्रीमान मेहुल भाई मालवी या इस बार 52 नव दंपति का सामूहिक विवाह का आयोजन जगदीश्वर फॉर्म मोनि इंटरनेशनल स्कूल के सामने उत्रान सूरत करने जा रहे हैं इस अनमोल अवसर पर नव दंपति को आशीर्वाद देने के लिए मुख्य मेहमान श्रीमान विपुल भाई मालवीय डिजाइन पॉइंट मोरबी आशीष वचन और दीप प्रागटय संतोमहंतों मे परम पूज्य विश्वप्रकाश दास जी स्वामी इंदौर पूज्य जयदेव शरण जी स्वामी कोबड़ी पूज्य सुरेश बापू मोगल धाम ओखा पूज्य पीयूष आनंद जी बापू भवानी मंदिर सूरत पूज्य मुड़दास बापू राममढ़ी सूरत राजकीय महानुभव मैं भाजपा गुजरात प्रदेश अध्यक्ष श्रीमान सीआर पाटील मंत्री श्री प्रकाश बिंदल आरोग्य मंत्री श्री कुमार भाई कानानी वन विभाग मंत्री श्री रमण लाल पाटकर महामंत्री ललित भाई वेकरिया सांसद श्रीमती संगीता बेन पटेल श्रीमती दर्शना जरदोष श्री हर्ष भाई संघवी श्री प्रवीण भाई घोघारी श्री वीनूभाई मोरडीया विपक्ष नेता श्री परेश भाई धानानी श्री वि ड़ी जालावाड़िया और समाजसेवी श्रीमान गोविंद भाई ढोलकिया राम कृष्णा एक्सपोर्ट श्रीमान सवजी भाई धोलकिया हरे कृष्णा एक्सपोर्ट श्रीमान महेश भाई सवानी कैबिनेट मंत्री श्रीमान जयेश भाई राददडीया श्रीमान शवजीभाई डालिया बादशाह श्रीमान अशोक डी जीरावाला श्रीमान जयेश भाई मालवीया श्रीमान कांजी भाई भालाला श्रीमान नानू भाई सांवलिया मारुति वीर जवान ट्रस्ट भोजन समिति वृंदावन गौशाला ग्रुप हिरल बिन मांगूकिया पार्किंग समिति जय सरदार ग्रुप दान समिति श्रीमान विजय भाई खुट चीमन भाई मलाविया अक्षय भाई रामानी साउंड ग्रुप खोडियार म्यूजिक ग्रुप नीरवभाई वाघेला ओर मुकेश भाई वाघेला फोटोग्राफर श्री साईं फोटोग्राफ प्रदीप भाई लखानी रामदेव स्टूडियो घनश्याम भाई वघासिया इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए आज के नव युवान श्री चिराग भाई रामाणी आशीष भाई सिंगाड़ा कुमारी सोनालबेन जाला वाड़िया जयेश भाई वघासीया अविनाश भाई लाठिया कुणाल भाई मालवीया अंकुर भाई लखानी चिराग भाई नाकरानी श्रीमती मनीषा बेन भालाडा श्रीमती लता बेन खुट श्री विजय भाई खुट श्री चेतन भाई वघाशिया अमित भाई आहीर श्री हार्दिक भाई मियानी श्री जय भाई लिंबाचिया श्रीमती भावनाबेन असौदरिया श्री राजू भाई वारडिया श्रीमती रिंकल बिन मालव्या श्री मितेश भाई कुम्भानी श्रीमती जानकी बेन सिंगाड़ा श्रीमती एकता बेन नाकराणी श्री रजनी भाई गजेरा श्रीमती नयनाबेन घाटाला श्री संदीप भाई वाघसिया श्री धवल भाई हिरपरा श्री प्रकाश भाई देसाई श्री भूपेंद्र भाई राजपुरोहित श्री दिनेश भाई मेरा श्री मयूर भाई भालाडा श्री किशन भाई सोलंकी श्री अतुल भाई वार्ड डोरिया श्री भावेश भाई घेलानी श्री किरण भाई कपूरिया श्री प्रकाश भाई राठौड़ श्री विशाल भाई लहरी यह जानकारी हमें विद्या विकास एजुकेशन ट्रस्ट के प्रमुख श्रीमान मेहुल भाई मलाविया द्वारा प्राप्त हुई

महामारी का डर, मेयर ने कहा- 'लग सकता है आंशिक लॉकडाउन'

मुंबई, मेयर किशोरी पेडणेकर ने मुंबई में कोरोना के बढ़ते मरीजों को देखते हुए दोबारा आंशिक लॉकडाउन लगने की आशंका जताई है। वहीं, बीएमसी प्रशासन का कहना है कि अभी लॉकडाउन हमारे अजेंडे में नहीं है। जाहिर है कि मुंबई में दोबारा लॉकडाउन या नाइट कर्फ्यू को लेकर मेयर और बीएमसी प्रशासन की अलग-अलग राय है। मेयर किशोरी पेडणेकर ने कहा, 'धार्मिक स्थलों, बाजारों और लोकल ट्रेनों में जिस तरह भीड़ बढ़ रही है और पिछले कुछ समय से जिस तेजी से मुंबई में मरीजों की संख्या में इजाफा हुआ है, उससे लगता है कि यहां आंशिक प्रतिबंध लगाने की जरूरत है। मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे इस संबंध में बीएमसी के साथ जल्द ही चर्चा कर फैसला करेंगे।' मुंबई में 14 फरवरी के बाद से रोज 1,100 से 1,500 के बीच कोरोना मरीज मिल रहे हैं। यह संख्या अक्टूबर, 2020 के बाद सबसे ज्यादा है। इसके मद्देनजर मेयर ने कहा, 'हमें उम्मीद है कि मुंबई में जल्द ही स्थिति फिर सुधरेगी। अगर स्थिति खराब हुई, तो कुछ कड़े प्रतिबंध लगाने पड़ेंगे।' पॉजिटिविटी रेट 7 फीसद के पार महाराष्ट्र में शुक्रवार को कोरोना के रेकॉर्ड 15,817 नए मामले सामने आए, जबकि मुंबई में 1,647 केस मिले। पिछले दो दिनों में मुंबई में कोरोना मरीजों का पॉजिटिविटी रेट 7 फीसद को पार हो गया है। यह जनवरी में 3.5 फीसद और फरवरी में 4 से 5 फीसद था। बढ़ते केसों को देखते हुए पुणे में 31 मार्च तक स्कूल-कॉलेज बंद कर दिए गए हैं। वहां होटल और रेस्टोरेंट के खुलने के समय में कटौती की गई है। लोग रात 11 बजे से सुबह 6 बजे तक बेवजह सड़कों पर नहीं निकल सकेंगे। प्राइवेट अस्पतालों को 24 घंटे वैक्सीनेशन की अनुमति देने के बाद बीएमसी अपने केंद्रों पर भी वक्त की पाबंदी हटाने का मन बना रही है। इसके तहत, वैक्सीनेशन केंद्र पर आने वाले आखिरी लाभार्थी को टीका लगने तक केंद्र खुले रहेंगे।

KAANT FOODS®
Manufacturer of Khakhra & Dry Bhakri in Various Flavor

Khakhra & Dry Bhakri is a thin cracker common in the Gujarati and Rajasthani cuisines of western India, especially among Jains. It is made from mat bean, wheat flour and oil. It is served usually during breakfast. Khakhras are individually hand-made and roasted to provide a crunchy and healthy snack that can be enjoyed with a selection of spicy pickles and sweet chutneys.

20, 1st Floor, Sarvodaya Soceity, Opp. Hotel Oasis, Nr. Umiya Dham Temple, Surat-395006. Gujarat, India.
Email : kaantfoods@gmail.com Mob : 9825770072
Web : www.kaantfoods.com

स्पेशल ऑब्जर्वरों ने EC को सौंपी रिपोर्ट, कहा- ममता की चोट हादसा, हमले के नहीं मिले सबूत

नई दिल्ली/कोलकाता, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी पर नंदीग्राम में हमले को लेकर स्पेशल ऑब्जर्वर की टीम ने शनिवार शाम को चुनाव आयोग को अपनी रिपोर्ट सौंप दी। स्पेशल ऑब्जर्वर विवके दुबबे और अजय नायक ने रिपोर्ट दाखिल करके बताया कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी नंदीग्राम में एक दुर्घटना के चलते घायल हुई हैं। इस दौरान स्पेशल ऑब्जर्वर ने कहा कि वहां (नंदीग्राम) में ममता बनर्जी ममता के काफिले पर हमले का कोई सबूत नहीं है। साथ ही कहा कि उस समय मुख्यमंत्री के साथ पर्याप्त सुरक्षा थी और वे उनसे घिरीं हुई थीं। इससे पहले ममता बनर्जी के ऊपर हमले को लेकर पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव की पहले की रिपोर्ट पर नाराजगी जताते हुए करते हुए चुनाव आयोग ने अब उनसे विस्तृत रिपोर्ट मांगी है।

एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, स्पेशल ऑब्जर्वर विवेक दुबे और अजय नायक ने शनिवार को चुनाव आयोग को अपनी विस्तृत रिपोर्ट सौंपने से पहले बंगाल के नंदीग्राम में दुर्घटना स्थल का निरीक्षण किया था। बंगाल के मुख्य सचिव की रिपोर्ट आधी-अधूरी चुनाव आयोग को मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर 10 मार्च को नंदीग्राम में हुए कथित हमले को लेकर बंगाल सरकार की रिपोर्ट मिल गई है। हालांकि, आयोग ने इसे 'अधूरी' करार देते हुए मुख्य सचिव अलापन बंदोपाध्याय से और डीटेल में रिपोर्ट देने को कहा है। चुनाव आयोग के एक अधिकारी ने बताया कि मुख्य सचिव को शनिवार तक इस तरह का ब्यौरा देने को कहा गया है कि यह घटना किस प्रकार हुई और इसके पीछे कौन हो सकता है? चुनाव आयोग ने मांगा विस्तार से ब्यौरा चुनाव अधिकारी ने कहा कि पश्चिम बंगाल सरकार की ओर से सौंपी गई रिपोर्ट अधूरी लग रही है और इसमें घटना के बारे में विस्तार से ब्यौरा नहीं है, जैसे घटना किस तरह हुई और इसके पीछे कौन हो सकता है?

हमने राज्य प्रशासन से और ब्यौरा तलब किया है।' उन्होंने कहा कि शुक्रवार की शाम को मिली रिपोर्ट में मौके पर भारी भीड़ होने का जिक्र किया गया है लेकिन 'उन चार-पांच लोगों का' कोई जिक्र नहीं है, जिन पर ममता बनर्जी ने हमले का आरोप लगाया है। कथित हमले का साफ वीडियो फुटेज तक नहीं रिपोर्ट में कहा गया कि नंदीग्राम में बुधवार की शाम को तृणमूल कांग्रेस नेता पर हुए कथित हमले का स्पष्ट वीडियो फुटेज नहीं है। बुधवार की शाम को हुई इस घटना के बाद चुनाव आयोग ने राज्य सरकार से रिपोर्ट तलब की और राज्य के लिए दो पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की थी। बंगाल में इस दिन डाले जाएंगे वोट दरअसल पश्चिम बंगाल में 27 मार्च, एक अप्रैल, छह अप्रैल, दस अप्रैल, 17 अप्रैल, 22 अप्रैल, 26 अप्रैल और 29 अप्रैल को अलग-अलग क्षेत्रों में वोट डाले जाएंगे। प्रदेश में कुल 294 विधानसभा सीटें हैं।

पुडुचेरी: 'बैग में पैसे भरकर हेलिकॉप्टर से सरकार गिराने आए थे बीजेपी नेता'.. पूर्व सीएम नारायणसामी का आरोप

पुडुचेरी, पुडुचेरी में सरकार गिरने के बाद पूर्व मुख्यमंत्री वी नारायणसामी ने शनिवार को बीजेपी पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि बीजेपी ने एक बार पुडुचेरी की कांग्रेस सरकार को गिराने की कोशिश नहीं की थी बल्कि उनके सत्ता संभालते ही कई बार इस तरह की कोशिशें हुई थीं। उन्होंने बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि उन्होंने यहां विपक्षी दलों के नेताओं से बातचीत की थी और उनकी सरकार गिराने की कोशिश की। पूर्व मुख्यमंत्री नारायणसामी इंडिया टुडे कॉन्क्लेव में हिस्सा लेने के दौरान ये बातें कह रहे थे। उन्होंने कहा कि सिर्फ बीजेपी ने नहीं, बल्कि एआईएडीएमके और चेन्नै में आरएसएस के नेताओं ने भी मेरी सरकार को गिराने की कई बार कोशिश की। वहीं, कर्नाटक के बीजेपी नेता तो पैसों से भरा बैग हेलिकॉप्टर से लेकर मेरी सरकार गिराने के लिए आए थे। कांग्रेस नेता यहीं नहीं रुके। उन्होंने आरोप लगाया कि उनके विधायकों को दिल्ली बुलाकर धमकाया गया था। नारायणसामी ने कहा, 'मेरी सरकार के कुछ विधायकों ने मुझे बताया कि उन्हें दिल्ली बुलाकर धमकाया गया है। उनसे कहा गया है कि अगर वह दिल्ली के कहे के मुताबिक काम नहीं करेंगे तो उन्हें इसके नतीजे भुगतने होंगे।' पूर्व सीएम ने कहा कि इनकम टैक्स, ईडी जैसी संस्थाओं का दुरुपयोग करके उन्हें डराया गया। बीजेपी पैसों के दम पर सरकारें बदलती है। जिस राज्य में उसकी सरकार नहीं है, पहले वह वहां विधायकों को इस्तीफे दिलवाती है। फिर उन्हीं विधायकों से चुनाव लड़वाकर सरकार बनाती है।

यह हिन्दी साप्ताहिक मालक, मुद्रक, प्रकाशक - दिलीप नानजीभाई पटेल द्वारा 403, बिल्डिंग नं.1, रोशन नगर, एस.आर.ए, सी.एच.एस. लि. नियर गणेश मंदिर, ओशिविरा जोगेश्वरी (प्र) मुंबई 400102 से मुद्रित कर एस.आर. पब्लिकेशन एवं प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं.8/9/10, नीयर घरातन पाड़ा ऑपोजिट रामेश्वरम बिल्डिंग, वैशाली नगर लास्ट बस स्टोप टाईटल फ्रंट, दहिसर (पूर्व), मुंबई 400068 से प्रकाशित किया गया है। संपादकः दिलीप नानजीभाई पटेल, उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा RNI No. MAHHIN/2020/78591 Mob: 7666090910 / 9574400445 Email : mumbaitarang@gmail.com / pateldilipuk2014@gmail.com वाद-विवाद का क्षेत्र मुंबई होगा।